हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, बुधवार 20 मई 2026

तापमान
अधिकतम 41.9 डिग्री
न्यूनतम 29.6 डिग्री

दाखिले के लिए पहुंच रहे छात्र महाविद्यालयों ने कहा-लौट जाइए अभी नहीं आया कैलेंडर

माशिम ने इस बार जल्द जारी किए हैं 12वीं के परिणाम, लेकिन पिछड़ गया उच्च शिक्षा विभाग

सीबीएसई के परिणाम भी हो चुके हैं घोषित, महाविद्यालय भी इंतजार कर रहे तिथियों का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दाखिले के समय छात्रों का इंतजार करने वाले महाविद्यालय इस बार उन्हें लौटा रहे हैं। वजह है कि अब तक उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश तिथियों की घोषणा नहीं की गई है। अब प्रवेश केंद्रीकृत होते हैं, इसलिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा तय तिथियों में ही विश्वविद्यालय आवेदन पोर्टल खोलते हैं। महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए भी विवि के पोर्टल में जाकर ही आवेदन करना होता है। चूंकि ▶▶|शेष पेज 13 पर

नहीं बता सकते

कैलेंडर जारी नहीं किया गया है। हम छात्रों को कोई अनुमानित तिथि बताकर गुमराह नहीं करना चाहते, इसलिए उन्हें वस्तुस्थिति समझाते हुए लौटा रहे हैं।

-डॉ.देवाशीष मुखर्जी
सचिव, निजी महाविद्यालय संघ

विवि प्रबंधन ने कहा-आगे प्रेषित करेंगे खत

शासकीय विश्वविद्यालयों से संबद्ध निजी महाविद्यालयों का कहना है कि छात्रों का रूझान अब प्राइवेट यूनिवर्सिटी की ओर बढ़ा है। प्रवेश में विलंब होने के कारण छात्र मिलने में परेशानी होती है। अपनी समस्याओं को लेकर राजधानी के निजी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने पं.रविशंकर शुक्ल विवि प्रबंधन से मुलाकात की थी। इस पर रविवि प्रबंधन ने खत आगे ▶▶|शेष पेज 13 पर

रविवि ने जारी की संशोधित समय-सारिणी, गड़बड़ियों से हलाकान हुए महाविद्यालय

कम छात्र वाले विषयों की समय-सारिणी जारी करना भूला रविवि, सेमेस्टर के पर्चे वार्षिक आधार पर!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि गड़बड़ियों में गजब की नियमितता दिखा रहा है। पिछले दो वर्ष के रिकॉर्ड को बरकरार रखते हुए रविवि ने इस बार भी संशोधित समय-सारिणी जारी की है। रविवि ने अप्रैल माह में सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी की थी, अब इसमें संशोधन किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद सेमेस्टर आधार पर परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें एटीकेटी आने वाले छात्रों की परीक्षाएं भी सेमेस्टर आधार पर ही होती हैं। इन विषयों की परीक्षाएं भी वार्षिक आधार पर जारी कर दी गई थीं। इसके अतिरिक्त कम छात्र संख्या वाले कई विषयों को टाइम-टेबल में ही जगह नहीं दी ▶▶|शेष पेज 13 पर

■ जिन विषयों की परीक्षाएं सेमेस्टर आधार पर होने थे उनकी समय-सारिणी बना दी वार्षिक आधार पर

कॉलेजों ने नहीं भेजा टाइम-टेबल

रविवि द्वारा समय-सारिणी अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ-साथ उन्हें महाविद्यालयों को भी भेजा जाता है ताकि वे नोटिस बोर्ड पर इसे चस्पा करें और छात्रों को प्रेषित करें। लेकिन अधिकतर महाविद्यालयों ने छात्रों को समय-सारिणी प्रेषित ही नहीं की। महाविद्यालयों के अनुसार, गड़बड़ियों को देखते हुए उन्हें इस बात का पूर्व में ही अंदेशा था कि इसमें बदलाव किया जाएगा। छात्र प्रथम बार भेजी गई समय-सारिणी के आधार पर ही तैयारियां ▶▶|शेष पेज 13 पर

यह स्थिति इसलिए

रविवि के वर्तमान कुलपति प्रो.सच्चिदानंद शुक्ल द्वारा परीक्षा संबंधित कई बदलाव किए गए हैं। केंद्रीय मूल्यांकन सहित कई तकनीकी चीजें भी इसमें शामिल हैं। पूर्व कुलपतियों द्वारा समय-सारिणी घोषित किए जाने के पूर्व प्राचार्यों की बैठक आयोजित की जाती थी। इस बैठक में पाठ्यक्रमों की स्थिति से लेकर परीक्षा संबंधित अन्य चर्चाएं होती थी। समय-सारिणी घोषित किए जाने के पूर्व इन्हें प्राचार्यों को निरीक्षण के लिए भेजा जाता था। उन्हें टाइम-टेबल बनाने ▶▶|शेष पेज 13 पर

शहर में खुलकर चल रहे चाकू

आमासिवनी में हत्या, टिकरापारा और खमतराई में भी वारदात

पैसों के विवाद पर आरोपियों ने दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में हत्या, चाकूबाजी की घटनाएं अब आम हो गई हैं। पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद शहर में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लग नहीं पा रहा है। विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत आमासिवनी इलाके में सोमवार देर रात कुछ युवकों ने मिलकर एक युवक की चाकू एवं ईंट से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। हालांकि इस वारदात में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी है। हत्या का कारण पैसों का लेनदेन बताया जा रहा है।

विधानसभा थाना पुलिस के अनुसार कचना निवासी सुकीत खांडे 31 वर्ष 18 मई की रात करीब डेढ़ बजे संतोषी मंदिर के पास खून से लथपथ अवस्था में सड़क किनारे पड़ा मिला। आमासिवनी निवासी रुस्तम दास मानिकपुरी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर सुकीत को बेहोश एवं गंभीर अवस्था में अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत बताया। इस वारदात के बाद पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगालना शुरू किया। एक कैमरे में इस हत्या का फूटेज भी सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस ने राकेश गुप्ता, मोहम्मद अली, राजा एवं अन्य 3 आरोपियों की पहचान की है। पुलिस ने फूटेज के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है, जिनमें एक नाबालिग शामिल है। इसके अलावा अन्य साथियों की पतासाजी की जा रही है।

पैसों के लेनदेन पर हत्या

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपियों का सुकीत के साथ पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद था। घटना वाले दिन भी इसी बात को लेकर आरोपियों ने सुकीत के साथ विवाद किया और फिर पैसे नहीं देने पर पहले हाथ-मुक्का से उसके साथ मारपीट की और फिर ईंट और चाकू से उस पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस का दावा है कि इस वारदात में शामिल फरार अन्य आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

टिकरापारा में युवक पर जानलेवा हमला

टिकरापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत साहूपारा में भी सोमवार रात करीब 12.10 बजे एक व्यक्ति पर एक आरोपी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल बलराम शर्मा निवासी रायपुरा चौक डीडीनगर साहू मोहल्ला में एक घर के सामने खड़ा था। इसी बात को लेकर आरोपी आर्यन ठाकुर ने उसके साथ विवाद करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसे जख्म आया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है।

खमतराई क्षेत्र में दो पक्ष आपस में भिड़े, चाकूबाजी में दो घायल

खमतराई थाना क्षेत्र में भी सोमवार शाम दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान चाकूबाजी की घटना हो गई। इसमें एक पक्ष अनिकेत डोंगरे एवं दूसरा पक्ष अभय ठाकुर है। इन दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश है। घटना के दौरान इसी रंजिश पर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया, लेकिन यह विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे दोनों को जख्म आया है। घटना के बाद दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में काउंटर अपराध दर्ज किया है। इस वारदात में शामिल दोनों पक्षों से अन्य एक-एक व्यक्ति पियूष सिंह एवं जीवन डोंगरे के विरुद्ध भी अपराध दर्ज किया गया है।

रामकी पर दो बार जुर्माना, निगम की हुई कमाई, पर घरों से उठा नहीं कचरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में रामकी कंपनी और नगर निगम प्रशासन के बीच लगता है आपसी समझौता हो गया है। रामकी कंपनी ने जहां घर-घर कचरा उठाना बंद कर दिया है, वहीं नगर निगम प्रशासन खानापूर्ति कार्रवाई करते हुए कंपनी पर जुर्माना लगाकर अपना फंड बढ़ाने में लगा हुआ है।

इधर दूसरी ओर पूरे शहर में पांच दिनों से सफाई व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। डोर-टू-डोर कचरा लेने गाड़ी नहीं पहुंचने से घर-घर में कचरे का ढेर लग चुका है, जो अब आम लोगों की परेशानी का सबब बना हुआ है। इसे लेकर नगर निगम के अधिकारियों द्वारा चार दिनों से यही दावा किया जा रहा है कि कंपनी और ठेका सफाई कर्मचारियों के बीच सहमति बन गई है और वे काम पर लौट चुके हैं। हकीकत में मंगलवार को भी सफाई व्यवस्था कुछ हद तक ठप रही। घरों से कचरा उठा नहीं, जिससे लोग दिनभर कचरा फेंकने के लिए परेशान होते रहे। ▶▶|शेष पेज 13 पर

कंपनी से 15 साल के लिए अनुबंध

रामकी कंपनी से 15 साल के लिए अनुबंध हुआ है। यह अनुबंध कांग्रेस के शासनकाल में हुआ है। इस अनुबंध के तहत डोर-टू-डोर कचरा नहीं उठाने पर कंपनी के खिलाफ जुर्माना लगाने का प्रावधान है। दो बार जुर्माना लगाया भी जा चुका है।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

हड़ताल खत्म होने की सूचना जारी पर कर्मचारी नहीं लौटे

नगर निगम प्रशासन की पोल तब खुल गई, जब निगम मुख्यालय से आम लोगों के लिए एक सूचना जारी की गई कि ठेका सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल खत्म कर दी है, और 17 मई से वे डोर-टू-डोर कचरा उठाने पहुचेंगे। इस सूचना के जारी होने के बाद से लेकर अब तक सफाई कर्मचारी काम पर नहीं लौटे हैं। उल्लेखनीय है कि 16 मई को रामकी कंपनी प्रबंधन के प्रतिनिधियों और हड़ताली ठेका सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा के लिए बैठक हुई। इस बैठक में जिला प्रशासन, रायपुर पुलिस प्रशासन, श्रम विभाग, तहसीलदार रायपुर, रायपुर नगर पालिक निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस बैठक में रामकी कंपनी प्रबंधन के प्रतिनिधियों और हड़ताली ठेका सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा भी हुई। इस चर्चा के बाद नगर निगम की ओर से सूचना जारी हुई, जिसमें कंपनी और सफाई कर्मचारियों ▶▶|शेष पेज 13 पर

आज हड़ताल खत्म हो गई

आज हड़ताल खत्म हो गई। कचरा गाड़ियों को 9.30 बजे डोर-टू-डोर कचरा उठाने के लिए रवाना किया है। 17 को हड़ताल खत्म क्यों नहीं हुई, इसकी जानकारी नहीं है।

- योगेश कुमार कढ़ु, नोडल अधिकारी

खबर संक्षेप

नौ थाना क्षेत्रों के गुंडे-बदमाशों की पुलिस ने ली क्लास

रायपुर। डीसीपी पश्चिम जोन के नौ थानों के 41 गुंडे-बदमाशों के विरुद्ध पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इन सभी बदमाशों को आजाद चौक थाने बुलाकर पहले उनकी काउंसिलिंग की गई। इस दौरान सभी को स्पष्ट शब्दों में हिदायत दी गई कि वे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों, गुंडागर्दी एवं नशे से दूर रहें तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखें। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई।

गुढ़ियारी क्षेत्र से बालक के अपहरण की आशंका

रायपुर। गुढ़ियारी क्षेत्र में रहने वाला एक 11 वर्ष का बालक लापता हो गया है। उसके परिजनों ने उसके गुम होने की सूचना पुलिस को दी है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने गुमशुदा की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। बालक के परिजनों ने आशंका व्यक्त है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसके लड़के को बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया है।

एक्सीडेंट में घायल की मौत ऑटो चालक पर केस दर्ज

रायपुर। एक्सीडेंट में बाइक सवार की मौत मामले में ऑटो रिक्शा चालक के विरुद्ध उरला पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज किया है। बेंद्री उरला निवासी अशोक ठाकुर अपनी बाइक से जा रहा था, तभी ऑटो रिक्शा चालक ने तेज एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

जौंदा-जौंदी, डगनिया-लखना में

अवैध रेत उत्खनन-भंडारण पर कार्रवाई, 2 पोकलेन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के गोबरा नवापारा क्षेत्र अंतर्गत महानदी से लगे कई गांव में रेत का अवैध रूप से उत्खनन एवं भंडारण किया जा रहा था, जिसकी शिकायत मिलने पर मंगलवार को खनिज विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण करते हुए 2 चेन पोकलेन मशीन जब्त की है। सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव के नेतृत्व में विभाग की टीम गोबरा नवापारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लखना रेत खदान पहुंची। यह ▶▶|शेष पेज 13 पर

जांच कर कार्रवाई की जा रही

रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई करने कलेक्टर गौरव सिंह के स्पष्ट निर्देश हैं। इसके तहत लगातार टीम को गश्त में भेजा जा रहा है तथा जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

- राजेश मालवे, उप संचालक खनिज विभाग रायपुर

उमस ने कर रखा हलाकान, शाम होते ही बादल छाए, अब रोजाना एक डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ मध्य और उत्तरी भाग में लौट सकती है भीषण गर्मी

वातावरण में मौजूद नमी अब हलाकान करने लगी है। पिछले चौबीस घंटे में रात के बाद दिन में भी उमसभरी तेज गर्मी ने लोगों को बेचैन कर दिया। शाम होने के बाद बादल छाए और कुछ इलाकों छींटे, तो कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। अब रोजाना एक डिग्री के औसत से तापमान बढ़ने और तीन से चार दिनों में मध्य तथा उत्तर भाग में भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं।

इसके बाद माह के अंतिम दिनों में केरल तक मानसून आने की वजह से यहां प्री-मानसून की बौछार पड़ सकती है। मई में मौसम का मिला-जुला असर रहा है।

अभी इस तरह के सिस्टम

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक अभी एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास विस्तारित है। एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक तथा दूसरी पूर्वी उत्तर प्रदेश से लक्ष्यदीप तक 1.5 कम ऊंचाई तक मौजूद है। इसके अलावा प्रदेश में हवा के साथ नमी का आगमन लगातार बना हुआ है।

प्रमुख शहरों के तापमान

रायपुर	41.9
बिलासपुर	43.4
पेंड्रा	41.2
अंबिकापुर	41.4
जगदलपुर	38.3
दुर्ग	42.2

भाजपा नेता ने लगाया प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

लिफ्ट में अब फंसे भाजपा नेता सहित आधा दर्जन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के रजबंधा मैदान के एक कांप्लेक्स में मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाजपा नेता अमित चिमनानी सहित आधा दर्जन लोग लिफ्ट में फंस गए। करीब 15 मिनट तक सभी लिफ्ट में फंसे रहे। बाद में इनको लिफ्ट से बाहर निकाला गया। इस बीच भाजपा नेता ने लिफ्ट के अंदर से ही वीडियो जारी करके प्रबंधन पर लापरवाही करने का आरोप लगाया।

श्री चिमनानी ने बताया, वे अपने घर से करीब 12 बजे अपने आफिस पहुंचे और दूसरे फ्लोर पर अपने ऑफिस जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए। लिफ्ट में छह लोग और थे। लिफ्ट ग्राउंड और पहले फ्लोर के बीच में ही फंस गई। लिफ्ट के बीच में रुकने के बाद लिफ्ट में सवार सभी परेशान हो गए। लोगों ने कांप्लेक्स के प्रबंधन के साथ ही अपने-अपने दफ्तर में फोन करना प्रारंभ किया। 15 मिनट बाद सुरक्षा गार्ड की मदद से सभी को सुरक्षित लिफ्ट से बाहर निकाला गया। बड़ी मशक्कत करके लिफ्ट का दरवाजा खोला गया। इसके बाद लिफ्ट में सवार सभी जंप करके ग्राउंड फ्लोर पर उतरे।

लिफ्ट लगातार हो रही खराब

श्री चिमनानी ने बताया, कांप्लेक्स की लिफ्ट लगातार खराब हो रही है। कई बार लिफ्ट में बुजुर्ग और बच्चे भी फंस चुके हैं। प्रबंधन से लगातार शिकायत के बाद भी लिफ्ट को ठीक नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांगी की है कि इस कांप्लेक्स से साथ ही रायपुर के सभी कांप्लेक्स की लिफ्ट को लेकर जानकारी लेकर प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कांप्लेक्स के प्रबंधन द्वारा यहां पर जितनी भी दुकानें और दफ्तर हैं, उनसे हर माह एक तय राशि मेंटेनेंस के नाम पर ली जाती है, इसके बाद भी लिफ्ट को ठीक नहीं कराया जा रहा है। लिफ्ट में फंसने के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है और किसी की जान भी जा सकती है।

चांदी के दाम एक बार फिर चार लाख के पार जाने की संभावना

चांदी का आयात बंद, लगातार बढ़ेंगे दाम, निवेशक होंगे मालामाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

केंद्र सरकार ने चांदी के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। अपने देश में चांदी का उत्पादन बहुत कम होता है। 90 फीसदी चांदी का आयात होता है। अब आयात पर प्रतिबंध के कारण जहां एक तरफ चांदी की कीमत लगातार बढ़ेगी, वहीं निवेशक भी मालामाल होंगे। निवेशकों को कीमत के आसमान पर जाने का इंतजार है। चांदी के दाम एक बार फिर से चार लाख के पार जाने की संभावना है। जैसे ही कीमत बढ़ेगी निवेशक अपना माल खपाना प्रारंभ करेंगे। अपने राज्य में हर रोज 6 से 8 करोड़ के चांदी का निवेश होता है। प्रदेश में भी भारी मात्रा में निवेशकों के पास चांदी है। इसी तरह से देश में निवेशकों के पास इतनी ज्यादा चांदी है कि आराम से इस साल नवरात्रि में त्योहारी सीजन के प्रारंभ होने तक बाजार में परेशानी नहीं होगी, लेकिन इसके बाद चांदी का मिलना कठिन हो जाएगा।

केंद्र सरकार ने चांदी के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। आयात पर प्रतिबंध लगने के कारण सराफा बाजार में चांदी की बहुत ज्यादा कमी होने वाली है। कारोबारियों का कहना है कि अपने देश में चांदी का उत्पादन बहुत कम होता है। चांदी का 90 फीसदी आयात होता है।

निवेशक होंगे मालामाल

*चांदी का आयात बंद होने का बाजार में अभी तो ज्यादा असर नहीं होगा क्योंकि अभी कारोबारियों के पास करीब एक माह तक का स्टॉक है, लेकिन इसके बाद चांदी की कमी होगी तो दाम बढ़ेंगे। इसका फायदा निवेशकों को मिलेगा, निवेशक अपना माल बाजार में बेचेंगे। - **लक्ष्मी नारायण लाहोटी**, चांदी के थोक कारोबारी*

चोर रास्ते से भी आयात की संभावना

कारोबारियों का कहना है कि भले चांदी के आयात पर प्रतिबंध लग गया है लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चोर रास्ते से चांदी का आयात होगा। अगर चांदी चोर रास्ते से आएगी तो यह तय है कि इसके दाम ज्यादा होंगे। बाजार में चांदी के दाम के लगातार आसमान पर जाने की संभावना जताई जा रही है। कारोबारियों का कहना है चांदी एक बार फिर से चार लाख के पार जाएगी। इस समय चांदी के दाम दो लाख 83 हजार हैं।

निवेशकों की होगी चांदी

सराफा बाजार में पूरे देश सहित अपने राज्य में भी चांदी का सबसे बड़ा कारोबार निवेश का होता है। प्रदेश के कारोबारियों के मुताबिक जब से चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, चांदी में निवेश भी बढ़ गया है। पहले प्रदेश में रोज 4 से 5 करोड़ का चांदी में निवेश होता था, लेकिन अब यह निवेश आठ करोड़ तक पहुंच गया है। निवेशकों ने इतना ज्यादा चांदी में निवेश किया और चांदी लेकर रखी है, जिसके कारण बाजार में चांदी की कमी होने पर जब कीमत आसमान पर जाएगी तो निवेशक अपना माल खपाने का काम करेंगे। चांदी की कमी से निवेशकों का मालामाल होना तय है।

खबर संक्षेप

श्मशान एवं गौठान भूमि से कब्जा हटाने की मांग

आरंग। ग्राम पंचायत डीघारी में गौठान, श्मशानघाट, मरघटी (मृत जानवरों को ले जाने एवं दफनाने का स्थान) एवं धरसा परिया की शासकीय भूमि पर हुए कथित अवैध कब्जे को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सुशासन तिहार में प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। सिवनी (गोढ़ी) में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में आरंग ब्लॉक ग्राम पटेल संघ के उपाध्यक्ष होलसाय साहू ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम डीघारी स्थित शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर लेने से ग्रामीणों को अंतिम संस्कार एवं मृत पशुओं को दफनाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को मजबूरीवश सड़क किनारे, खेत-खार तथा अन्य खाली स्थानों में अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है, जिससे सामाजिक व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित भूमि का सीमांकन कराकर अवैध कब्जा हटाया जाए तथा गौठान, श्मशानघाट और मरघटी भूमि को पुनः ग्रामीणों के उपयोग के लिए सुरक्षित कराया जाए। ज्ञापन में जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।

अघोषित बिजली कटौती व लो-वोल्टेज से जनता त्रस्त

आरंग। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। शहर से लेकर गांव तक उपभोक्ताओं में बिजली विभाग के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। दिन हो या रात, बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली बंद रहने से लोग परेशान हैं। वहीं कई इलाकों में इतना कम वोल्टेज मिल रहा है कि पंखे, कूलर और मोटर तक ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। गर्मी के इस मौसम में बिजली संकट ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। छोटे व्यापारी, दुकानदार, किसान, विद्यार्थी, कर्मचारी, महिलाएं और बुजुर्ग सभी इस समस्या से प्रभावित हैं। लगातार बिजली आने-जाने से लोगों के घरेलू उपकरण खराब होने लगे हैं। कई घरों में फ्रिज, टीवी, पंखा और पानी की मोटर तक जवाब देने लगे हैं, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब बताई जा रही है। किसानों का कहना है कि खेतों में सिंचाई प्रभावित हो रही है। रातभर बिजली का इंतजार करने के बाद भी पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल रही, जिससे फसल और खेती कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं गांवों में कम वोल्टेज के कारण पानी सप्लाई व्यवस्था भी चरमरा गई है। कई जगह लोगों को पीने के पानी तक के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है। शहरी क्षेत्रों में दुकानदारों और छोटे व्यापारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। वेल्डिंग, फोटोकॉपी, इंटरनेट, इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग, होटल और अन्य छोटे व्यवसाय बिजली पर निर्भर हैं, लेकिन बार-बार बिजली बंद होने से कामकाज ठप हो रहा है। व्यापारियों का कहना है कि ग्राहक लौटकर जा रहे हैं और आमदनी प्रभावित हो रही है। विद्यार्थियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र रात में बिजली कटौती से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और बिजली विभाग से तत्काल व्यवस्था सुधारने, नियमित सप्लाई देने तथा लो-वोल्टेज की समस्या दूर करने की मांग की है।

9 लीटर महुआ शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

भटगांव। भटगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सलिहाघाट के बरतराम यादव नाम का व्यक्ति सलिहाघाट नर्सरी के अंदर अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है कि सूचना पर रेड कार्यवाही कर रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी बरतराम यादव पिता हेतुराम यादव 40 वर्ष ग्राम सलिहाघाट थाना भटगांव जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कब्जे से 9 कच्ची महुआ शराब कीमती 1800 रू को समक्ष गवाह के जब्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार किया गया, जिसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

गिरौद की महिलाओं ने पीएम को लिखे पोस्ट कार्ड, पूछा- संसद में हक की कुर्सी कब मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवां

चुनावी मंचों से महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के बड़े-बड़े दावे करने वाली केंद्र सरकार के सामने अब ग्रामीण भारत की जागरूक महिलाओं ने एक सीधा और तीखा सवाल खड़ा कर दिया है। सवाल यह कि आखिर देश की संसद और विधानसभाओं में हमारी हक की कुर्सी हमें कब मिलेगी? इसी सुलगते सवाल के साथ धरसींवां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गिरौद में एक अभूतपूर्व राजनीतिक हलचल देखने को मिली, जहां ग्रामीण महिलाओं ने किसी रैली या धरने के बजाय सीधे प्रधानमंत्री के नाम पोस्ट कार्ड अभियान छेड़कर अपनी बात दिल्ली तक पहुंचाई। कांग्रेस पार्टी के बैनर तले हुए इस अनूठे प्रदर्शन का कमान क्षेत्र की पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने संभाला, जिन्होंने अपनी ओजस्वी वाणी से इस अभियान को एक बड़े जन-आंदोलन की शक्ल दे दी। ग्राम पंचायत गिरौद के इस आयोजन में पारंपरिक बंधनों को पीछे छोड़ते हुए ग्रामीण महिलाएं जिस तरह एकजुट हुईं, उसने यह साफ कर दिया कि अब देश की राजनीति को बदलने का माद्दा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है। पोस्ट कार्ड पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग लिखते हुए महिलाओं के चेहरों पर एक अलग ही आक्रोश और दृढ़ता थी। उनका साफ कहना था कि जब हर मोर्चे पर देश को संभालने में महिलाएं आगे हैं, तो लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में उनके प्रवेश को भविष्य के वादों के जाल में क्यों उलझाया जा रहा है।

महिला आरक्षण को लेकर धरसींवां में फूटा आक्रोश

नारी शक्ति का शंखनादः अधिकारों के लिए दिल्ली को ललकार

संसद की दहलीज पर खड़ी देश की आधी आबादी की इस लड़ाई को अपनी आवाज देते हुए पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल दागे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को झकझोरते हुए कहा मेरी सजग और संघर्षशील बहनों, आज गिरौद की इस पावन धरती से जो पोस्ट कार्ड दिल्ली की ओर रवाना हो रहे हैं, वे सिर्फ कागज के टुकड़े नहीं हैं, बल्कि ये केंद्र की सोई हुई सत्ता को जगाने का शंखनाद हैं। सरकार ने कानून का झुनझुना तो हमारे हाथों में थमा दिया, लेकिन उसे अमलीजामा पहनाने की तारीख को कोसों दूर धकेल दिया। मैं पूछना चाहती हूं कि आखिर हमारी हिस्सेदारी को लागू करने के लिए किस मुहूर्त का इंतजार किया जा रहा है? जिस देश की आधी आबादी नीति-निर्धारण से महरूम हो, उस देश के पूर्ण विकास की कल्पना करना ही बेमानी है। विकास की गाथा तब तक अधूरी है, जब तक हमारी बहनें कानून बनाने वाली मेज पर पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर नहीं बैठतीं। पूर्व विधायक के सुर में सुर मिलाते हुए महिला ब्लॉक अध्यक्ष मंजू वर्मा, मंडल अध्यक्ष पंकज नायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा और पूर्व जनपद सदस्य नीतू साहू सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस अभियान को घर-घर तक ले जाने का संकल्प लिया।

ग्राहकों-व्यापारियों से की चर्चा, सोना-चांदी न खरीदने की प्रधानमंत्री की अपील पर जताया ऐतराज

महंगाई के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

हरिभूमि न्युज ▶▶| तिल्दा नेवरा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की ओर से केंद्र की भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई,के विरोध प्रदर्शन चल रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को तिल्दा नेवरा शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को खाद्य तेल और किराना सामान के लगातार बढ़ते दामों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने स्टेशन चौक,दुर्गामंदिर रोड और हाट बाजार के सामने इकट्ठा होकर महंगाई के खिलाफ नारेबाजी की और अपना विरोध जताया। मंगलवार को तपती धुप में दोपहर बजे शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एव कार्यकर्ता दीनदयाल चौक पहुंचे। वहां उन्होंने सड़क पर खड़े होकर महंगाई के खिलाफ जमकर नारे लगाए। उनके हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर महंगाई से जुड़े कई स्लोगन लिखे हुए थे।इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि'एक साल तक सोना-चांदी न खरीदने' की प्रधानमंत्री की अपील पर कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया,कांग्रेसियों ने कहा आज सब्जी से लेकर खाद्य तेल राशन के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

उनका कहना था कि महंगाई बढ़ने से आम जनता पूरी तरह परेशान है।प्रदर्शन के दौरान उन्होंने किराना दुकानों पर जाकर ग्राहकों और दुकानदारों से बढ़ती कीमतों के बारे में बात की और उनकी राय जानी। लोगों ने भी महंगाई को लेकर अपनी नाराजगी जताई।

- दुकानों में जाकर जाना जनता का हाल, केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

पीएम की अपील आभूषण उद्योग के लिए डेथ वारंट : अजितेश शर्मा

विरोध प्रदर्शन के दौरान शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजितेश शर्मा ने कहा की 'एक साल तक सोना-चांदी न खरीदने' की प्रधानमंत्री की अपील आभूषण उद्योग और छोटे व्यापारियों के लिए 'डेथ वारंट' (मृत्यु वारंट) जैसा है ।उन्हाने कहा कि मोदी जी के इस तुगलकी फरमान और सोने-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी को 6% से बढ़ाकर 15% करने से करीब 3.5 करोड़ छोटे स्वर्णकारों, कारीगरों और व्यापारियों की रोजी-रोटी छिन जाएगी। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन के वजह से खाद्य सामग्रियों के कीमतों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है।जिसके परिणामस्वरूप रोजी-मजदूरी करने वाले गरीब तबके के लोगों से लेकर सभी निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग, किसान वर्ग, छोटे मोटे रोजगार करने वाले जनसामान्य लोगों के रसोई का बजट बिगड़ता जा रहा है।

बढ़ते दामों से तस्करों का रास्ता होगा साफः नीरज राठी

कांग्रेस के नेता नीरज राठी ने कहा की देशभर में पेट्रोल-डीजल, दूध और रसोई गैस के साथ-साथ दाल, चावल, आटा जैसी आवश्यक राशन सामग्री के बढ़ते दामों (महंगाई) को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार की इन नीतियों से देश के छोटे व्यापारियों का नुकसान होगा और सोने-चांदी की तस्करी (स्मगलिंग) करने वाले माफियाओं का रास्ता साफ हो जाएगा। राशन के बढ़ते दामों का असर किराना व्यापारियों राशन सामग्री के व्यापारियों पर पढ़ रहा है, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा शहर इसका विरोध करती है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी हाथो झंडा व महंगाई के विरोद में लिखी तख्तियालेकर केंद्र सरकार के विरोध में नारे बाजी करते चल रहे थे। इस दौरान आम जनता से व्यापारियों से संवाद किया गया। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से गजानंद वर्मा, सुनील सोनी, नीरज राठी, के कृष्णमूर्ति, गोवर्धन यद्दु, अनूप रवानी, सनत सेन, दशरथ डेहरिया, लाला शर्मा, श्याम वाधवा, हेमलाल साहू, अजय मारकंडे, छोटू नवरंगे, सहित बड़ी संख्या में आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने पेट्रोल पंप और सराफा दुकानों में जाकर जाना जनता का हाल

अभनपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राज्यव्यापी आंदोलन के तहत अभनपुर विधानसभा मुख्यालय मे रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे व प्रदेश सचिव प्रवीण साहू के नेतृत्व मे पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतो को लेकर क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता अभनपुर नगर में प्रदर्शन कर केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। इस दौरान पेट्रोल पंप, किराना दुकान, सराफा व्यवसायी एवं आम नागरिको से पेट्रोल-डीजल की बढ़ोत्तरी का महगांई पर कितना असर हुआ है इसकी जानकारी लिया तथा स्थानीय पत्रकारों से चर्चा करते कहा कि एलपीजी का कमर्शियल गैस सिलेण्डर बंद होने से पहले से ही होटल व्यवसायी व अन्य उद्योग धंधे प्रभावित हो रहे थे। वहीं डीजल- पेट्राल व रसोई गैस का दाम बढने से आम जनता को महंगाई की बार झेलनी पड़ रही है। मोदी की नीतियो के चलते सराफा बाजार पर भी व्यापक असर पड़ रहा है, किसानों का खाद का कोटा निर्धारित करने पर कृषि कार्य भी प्रभावित होगा। केन्द्र सरकार के नीतियों के चलते आम जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कांग्रेस पार्टी आमजनता के हितो से जुड़े मुद्दो को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन कर रही है। इस दौरान भोला सोनवानी, उत्रसेन गहिरवारे, बलविंदर गांधी, बीरेन्द्र सिन्हा, नीलकमल गिलहरे, डोमेन्द्र साहू, सुनील कौशल, शशि शर्मा, लीलाधर तिवारी, किरण साहू, निमा निम्बेकर, बालमुकुंद साहू, मोहन साहू, तुलेश साहू, कमलेश टंडन, सेवक राम पटेल, सुमित तंबोली,कृष्णा निषाद आदि प्रमुख कार्यकर्ता शामिल रहे।

नीट पेपर लीक मामले पर युवा कांग्रेस ने जताया विरोध

हरभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

नींट परीक्षा में एक बार फिर हुए पेपर लीक जैसे राष्ट्रीय स्तर के गंभीर मुद्दे पर युवा कांग्रेस रायपुर ग्रामीण जिला ने आज आरंग ब्लॉक बस स्टैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। यह विरोध प्रदर्शन जिला अध्यक्ष सजल चंद्राकर एवं ब्लॉक अध्यक्ष ईश्वर पटेल के संयुक्त नेतृत्व में, साथ ही प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के निर्देश तथा पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड में एकत्र होकर केंद्र सरकार की विफलताओं के खिलाफ जोरदार नारे लगाए और पेपर लीक की लगातार हो रही घटनाओं पर रोष व्यक्त किया। पुलिस प्रशासन द्वारा पुतला दहन रोकने का प्रयास भी किया गया, जिसके चलते मौके पर दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति देखने को मिली। जिला अध्यक्ष सजल चंद्राकर ने कहा "लगातार वर्षों से पेपर लीक की घटनाएँ सामने आ रही हैं, जिससे देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। केंद्र सरकार परीक्षाओं की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। यह गूंगी-बहरी सरकार युवाओं की पीड़ा सुनने को

तैयार ही नहीं है। आज हमने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया है। यदि आने वाले समय में पेपर लीक के और मामले सामने आए, तो युवा कांग्रेस और भी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।" उक्त कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष कोमल साहू, खिलावन निषाद, पार्षद समीर गोरी, भरत लोधी, दीपक चंद्राकर, उपेंद्र साहू, सादिक बैलीम, राममोहन गुप्ता, सुनील बघेल, शैलेश साहू, नारायण सोनी, मनोज सोनकर, मोनू कंदरा, शेखर लोधी, शिवा जलछत्री, चन्दन लोधी, मुकेश लोधी, राजकुमार जलछत्री, मनीष जलछत्री, गोपी जलछत्री, अंगे लोहार, मोहन साहनी, पुनेन्द्र जलछत्री, पुरन जलछत्री एवं अधिक संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

ट्रक चालक के हत्यारे को आजीवन कारावास

बलौदाबाजार । थाना कसडोल क्षेत्र में वर्ष 2017 में हुए ट्रक चालक हत्या प्रकरण में द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर जुर्माना भी लगाया है। सरकारी वकील लोक अभियोजक थानेश्वर वर्मा ने बताया कि घटना 2 जुलाई 2017 से 5 जुलाई 2017 के बीच की है। मृतक ट्रक चालक राकेश बघेल तथा खलासी आरोपी मोतीराम ध्रुव सीमेंट प्लांट हिरमी से ट्रक में सीमेंट भरकर चंद्रपुर के लिए निकले थे। इसी दौरान ग्राम दर्रा थाना कसडोल के पास आरोपी ने ट्रक चालक राकेश बघेल की हत्या कर शव को तालाब किनारे गड्ढा खोदकर दफना दिया तथा मृतक का मोबाइल, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, 13 हजार रुपये एवं अन्य सामान लेकर फरार हो गया।जानकारी के अनुसार, जिस कंपनी की ट्रक मृतक चला रहा था, उसी कंपनी के अन्य चालक ने ट्रक को लावारिस हालत में खड़ा देखा और इसकी सूचना कंपनी प्रबंधन एवं मृतक के बड़े भाई को दी। इसके बाद मृतक के बड़े भाई ने थाना कसडोल पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जब ट्रक की जांच की तो उसमें कई जगह खून के धब्बे मिले। वहीं जेक रॉड और पाना में भी खून के निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका गहराई। कुछ दिनों बाद ग्राम दर्रा में एक अज्ञात शव मिलने पर मृतक के बड़े भाई ने उसकी पहचान राकेश बघेल के रूप में की। घटना के बाद से खलासी मोतीराम ध्रुव लगातार फरार था, जिससे पुलिस और परिजनों का संदेह उस पर गहरा गया। इसके बाद थाना कसडोल पुलिस ने आरोपी की लगातार तलाश शुरू की। सभी साक्ष्यों एवं गवाहों के बयान के आधार पर द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजया रात्रे ने आरोपी मोतीराम ध्रुव को धारा 302 भादवि के तहत आजीवन कारावास एवं एक हजार रुपये जुर्माना तथा धारा 201 भादवि के तहत सात वर्ष के कठोर कारावास एवं एक हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

खेती से थाली तक सब महंगा सरकार डाल रही डाका : डहरिया

आरंग। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगी आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। 19 मई को महीने में दूसरी बार ईंधन के दामों में की गई बढ़ोतरी ने आम आदमी की कमर तोड़कर रख दी है। लगातार बढ़ते दामों का यह सिलसिला यहीं रुकता नजर नहीं आ रहा है, बल्कि आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ने के साफ संकेत मिल रहे हैं। ईंधन की इस तपिश से अब सीधे तौर पर आम आदमी की रसोई झुलसने वाली है। इस चौतरफा बढ़ती महंगाई को लेकर श्रीमती शकुन डहरिया, सदस्य प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति एवं प्रभारी महिला कांग्रेस, ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आगाह किया है कि अगर सरकार ने अपनी नीतियां नहीं बदलीं, तो आने वाले दिनों में गरीब और मध्यम वर्ग के सामने आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को केवल गाड़ियों के ईंधन से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। जब भी डीजल के दाम बढ़ते हैं, तो देश में मालभाड़ा (ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट) अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा असर दूसरे राज्यों और शहरों से आने वाली हरी सब्जियों, दालों, खाद्य तेल और रोजमर्रा के राशन पर पड़ता है। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि आज 19 मई को दूसरी बार दाम बढ़ाकर सरकार ने यह साबित कर दिया है कि उसे आम जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है।

खाद-डीजल की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन आज

हरभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग में किसानों द्वारा डीजल और खाद की मांग को लेकर 20 मई को जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। शासन द्वारा प्रति एकड़ खाद की मात्रा में कटौती किए जाने से किसानों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है, क्योंकि वर्तमान में किसान प्रति एकड़ दो से तीन बोरी डीएपी व यूरिया का उपयोग कर रहे हैं, जबकि उन्हें मात्र आधा बोरी डीएपी उपलब्ध कराया जा रहा है। दूसरी तरफ कृषि कार्य प्रारंभ हो चुका है, परंतु डीजल के अभाव में जुताई नहीं हो पा रही है। पेट्रोल पंप सप्लाई के अभाव में बंद पड़े हैं। किसानों का कहना है कि यदि खाद और डीजल की आपूर्ति में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो 50 प्रतिशत खेती बंजर हो जाएगी। किसान नेता पारसनाथ साहू एवं वतन चंद्राकर ने कहा कि सरकार की किसानों के साथ दमनकारी नीति नहीं चलने दी जाएगी। किसानों द्वारा आरंग में पहला धरना-प्रदर्शन कर शासन को आगाह किया जाएगा। यदि मांगें अनसुनी की गईं, तो प्रदेश स्तरीय उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में किसान पहुंचकर अपने हक की लड़ाई प्रारंभ करेंगे। बस स्टैंड में सभा के बाद छत्तीसगढ़ शासन के विधायक एवं मंत्री से चर्चा करने विधायक कार्यालय कूच किया जाएगा।

आरंग के गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में समर कैंप

निशुल्क कराटे प्रशिक्षण में बेटियां सीख रहीं आत्मरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें इस विद्यालय के साथ अन्य विद्यालयों के लगभग 130 बच्चे निःशुल्क शामिल हो रहे हैं। समर कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कराटे प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण बच्चों एवं विशेष रूप से बालिकाओं को आत्मरक्षा में दक्ष, आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। विद्यालय में आयोजित इस निःशुल्क कराटे क्लास में विशेष एवं अनुभवी कराटे मास्टर तथा सीनियर कोच रहीम खान सर (ब्लैक बेल्ट, डेन-3) द्वारा कराटे के सभी आवश्यक एवं व्यावहारिक पहलुओं का क्रमबद्ध प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनके दिशा-

निर्देश में प्रशिक्षक तान्या जलक्षत्री (ब्लू बेल्ट), कोपल योगी (ब्राउन बेल्ट) एवं महत्वनाथ योगी (ब्राउन बेल्ट) द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के अंतर्गत विद्यार्थियों को मूलभूत स्टांस, पंच, किक, ब्लॉक, मूवमेंट, बैलेंस, रिफ्लेक्स तथा फुर्ती का अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही आत्मरक्षा की दृष्टि से उपयोगी डिफेंस टेक्नीक, अटैक से बचाव, गिरने-उठने की विधि एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया का विशेष प्रशिक्षण भी सम्मिलित है। कराटे अभ्यास के दौरान बच्चों को अनुशासन, एकाग्रता, आत्मसंयम एवं मानसिक दृढ़ता जैसे गुणों से भी परिचित कराया जा रहा है।

बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष फोकस

बालिकाओं को विशेष रूप से ऐसे आत्मरक्षा कौशल सिखाए जा रहे हैं, जो उन्हें किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में साहसपूर्वक स्वयं की सुरक्षा करने में सक्षम बनाएं। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि कराटे जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, शारीरिक स्वास्थ्य एवं आत्मबल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ज्ञात हो कि विद्यालय में प्रतिवर्ष सभी आयु वर्गों के बच्चों के लिए समर क्लास का निःशुल्क आयोजन किया जाता है। अभिभावकों एवं नगरवासियों ने विद्यालय की इस दूरदर्शी एवं सराहनीय पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की है तथा इसे वर्तमान समय की आवश्यकता बताया है।

सुशासन तिहार बना दिखावा, जनता फिर भी समस्याओं से बेहाल : हिंदूजा

हरभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

सुशासन तिहार को कांग्रेस ने पूरी तरह ढकोसला करार दिया है। कांग्रेस के रायपुर जिला ग्रामीण कोषाध्यक्ष मोतीलाल हिंदूजा ने आरोप लगाया कि सरकार का यह कार्यक्रम केवल प्रचार और दिखावे तक सीमित होकर रह गया है, जबकि जनता आज भी अपनी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर है। सोमवार को बीएनबी उच्चतर माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित सुशासन तिहार शिविर का जिक्र करते हुए हिंदूजा ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे थे, लेकिन कई विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद ही नहीं थे। उन्होंने कहा कि इससे सरकार के दावों की पोल खुल गई है।

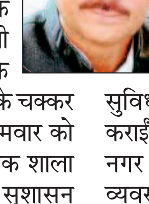

हिंदूजा ने बताया कि शिविर में सबसे अधिक आवेदन नगर पालिका क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आए। लोगों ने साफ-सफाई, सड़क, स्ट्रीट लाइट और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की शिकायतें दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति नगर पालिका की बदहाल व्यवस्था को उजागर करती है, जहां छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी लोगों को शिविरों में आवेदन देना पड़ रहा है।

जल्द शुरू होगी सीएम हेल्पलाइन सेवा, शिकायतों का सप्ताहभर में निराकरण

प्रशासनिक तैयारी पूरी, टोल फ्री नंबर 1076 के जरिए कर सकते हैं शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

राज्य शासन ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा शुरू करने से पहले प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली है। जिलों के अधिकारियों और कर्मचारियों को इसके लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1076 जारी करने की तैयारी है। वेबसाइट भी जारी की जाएगी, इनमें शिकायत करने पर सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचेगी।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित इस सिस्टम का उद्देश्य नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा समयबद्ध समाधान तय करने विश्वसनीय मंच प्रदान करना है। नई व्यवस्था में शिकायतों का निराकरण 7 दिन में करने का प्रयास रहेगा। मुख्यमंत्री और उनका सचिवालय इसकी नियमित मॉनीटरिंग करेंगे, ताकि जनता को समय रहते राहत मिल सके। इस हेल्पलाइन का दूसरा पहलू यह भी है कि इसके जरिए कोई व्यक्ति सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी ले सकता है। पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाने के लिए मदद भी की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, सीएम हेल्पलाइन एक केंद्रीकृत और तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली के तौर पर तैयार की गई है। इसके माध्यम से नागरिक फोन, वॉट्सऐप , वेबपोर्टल, मोबाइल ऐप और लिखित आवेदन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे उसकी ट्रैकिंग संभव होगी।

चार स्तरीय सिस्टम से समाधान

शिकायतों के समाधान के लिए चार स्तरीय सिस्टम विकसित किया गया है। इसमें पहले ब्लॉक स्तर, फिर जिला स्तर, संभागीय स्तर तथा अंत में सचिव या विभागाध्यक्ष स्तर पर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। निर्धारित समय-सीमा में समाधान नहीं होने की स्थिति में शिकायत स्वतः अगले स्तर पर प्रेषित हो जाएगी।

यूनिक नंबर से होगी ट्रैकिंग

सीएम हेल्पलाइन प्रणाली के पांच प्रमुख बिंदु हैं, इसमें यूनिक टोकन नंबर के माध्यम से शिकायत ट्रैकिंग, समयबद्ध समाधान के लिए एसएलआर आधारित व्यवस्था, समाधान के बाद नागरिकों से संतुष्टि फीडबैक, पारदर्शिता एवं जवाबदेही तथा एमआईएस डैशबोर्ड के माध्यम से सतत निगरानी शामिल हैं। सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे संचालित रहेगा। कोई भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा तथा उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

मिलेगा यह लाभ

इस हेल्पलाइन का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। हेल्पलाइन पर दर्ज हर शिकायत के लिए एक तय समयसीमा निर्धारित की जाएगी, जिसके भीतर संबंधित विभाग को कार्रवाई करनी होगी। यदि किसी शिकायत का समाधान निर्धारित समय में नहीं होता है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस व्यवस्था से प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी और आम नागरिकों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

खबर संक्षेप

श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ आज से

रायपुर। संजय नगर स्थित गौरा-गौरी चौक में सात दिवसीय 19 से 26 मई तक भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्व. संजय कुमार वर्मा एवं स्व. दुलारी वर्मा की पुण्य स्मृति में किया जाएगा। इस महापुराण के कथावाचक पं. चंपेश कृष्ण महाराज नदकट्टी वाले एवं परायणकर्ता पं. जय, डॉ. महेश शर्मा होंगे। यह जानकारी कार्यक्रम आयोजक ने देते हुए बताया कि बुधवार को भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह कथा शुरू होगा और 20 को सती चरित्र, 21 को ध्रुव चरित्र, 22 को प्रहलाद चरित्र, 23 को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 24 को रुखमणी मंगल, 25 को सुदामा चरित्र एवं तुलसी वर्षा, चढ़ोत्तरी और 26 को गीता हवन तर्पण एवं पूर्णाहुति का आयोजन किया जाएगा।

करेंसी टॉवर में खुला आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र

रायपुर। राम मंदिर वीआईपी चौक स्थित करेंसी टॉवर 6 फ्लोर में प्राकृतिक एवं आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्राकृतिक एवं आयुर्वेद पद्धति द्वारा शरीर में होने वाले अनेक प्रकार के बीमारी का इलाज किया जाएगा। यह शिविर डॉ. योगिता पिता दुर्गा प्रसाद टिकरिहा ग्राम सिलघट (भिभौरी) जिला बेमेतरा द्वारा लगाया गया। इस शिविर का शुभारंभ समता कॉलोनी गायत्री शक्तिपीठ के पूर्व अध्यक्ष श्याम बैस, वरिष्ठ समाजसेवी बुलाकी वर्मा, छग ओडिशा जोन प्रमुख आदर्श वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार राज शुक्ला, भागवताचार्य पं भूषण महराज, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर वर्माजी, इंटीरियर इशिका पंजवानी, प्रदीप टिकरिहा, कमल धुरंधर, अनीता धुरंधर, दिव्या सोलंकी, ज्ञानदेव वर्मा, नारायण वर्मा, आलोक पाणीग्राही, रोहित यादव आदि उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार' से छत्तीसगढ़ में आया बड़ा बदलाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में संचालित हो रहा 'सुशासन तिहार' (समाधान शिविर) प्रदेश के विकास और जन-कल्याण के क्षेत्र में एक युगांतकारी कदम साबित हो रहा है। इस महाअभियान ने राज्य में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पूरी तरह से जनता के प्रति जवाबदेह और पारदर्शी बना दिया है। ये बातें भारतीय जनता पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के विशेष आमंत्रित सदस्य एवं छत्तीसगढ़ कलार महासंघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ. किशोर सिन्हा ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि इस समाधान शिविर में लोग बड़ी संख्या में अपनी समस्याओं को लेकर आ रहे हैं और चेहरे पर मुस्कान लेकर लौट रहे हैं। श्री सिन्हा ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के इस विजनरी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आने वाले समय में देश के सर्वाधिक समृद्ध और सुशासित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा होगा। वर्तमान सरकार में 'संवाद से समाधान' की अवधारणा केवल एक नारा नहीं, बल्कि धरातल पर दिखने वाली हकीकत बन चुकी है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जारी किए नए दिशा निर्देश

नालंदा के लिए लेंगे दान, पुस्तकों का महादान आमदनी के लिए खोली जाएंगी दुकानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में एक नालंदा परिसर योजना को संचालित करने के लिए अब दान के रूप में राशि ली जाएगी। यही नहीं, इस लाइब्रेरी के लिए महादान के रूप में पुस्तकें लेंगे। इसके साथ ही नालंदा परिसर में स्थापित दुकानों से मिलने वाले मासिक किराए की राशि से इसका संचालन किया जाएगा। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएओ को आदेश जारी कर नालंदा परिसर योजना के संचालन के लिए दिशा निर्देश दिए हैं।

इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका वित्तीय मॉडल है, जिसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी कोष के साथ-साथ जनभागीदारी और दान को मुख्य आधार बनाया गया है । दान और जन-सहयोग का वित्तीय प्रबंधन योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, नालंदा परिसर के संचालन और संधारण के लिए धन जुटाने हेतु व्यापक रणनीति बनाई गई है। दानदाताओं का योगदान- वित्तीय व्यवस्था के लिए सबसे पहला स्त्रोत दानदाताओं से प्राप्त दान को माना गया है । समिति द्वारा आम नागरिकों को पुस्तकों और आर्थिक सहयोग के लिए प्रेरित करने हेतु पुस्तक दान महादान अभियान निरंतर चलाया जाएगा । परिसर के समीप स्थापित दुकानों से प्राप्त होने वाले मासिक किराए को भी आय का स्रोत बनाया गया है । लाइब्रेरी के सदस्यों से लिए जाने वाले मासिक शुल्क से होने वाली आय भी प्रबंधन में उपयोग की जाएगी । इसके साथ ही जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ), सीएसआर मद, सरकारी अनुदान, और बैंक ऋण के माध्यम से भी राशि जुटाई जा सकेगी।

शहरों से लेकर वनांचल तक 34 संस्थान खोलने की है तैयारी

जिला स्तरीय समिति करेगी संचालन

इन केंद्रों के प्रबंधन के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता जिला कलेक्टर करेंगे । जिला मुख्यालय के आयुक्त या मुख्य नगर पालिका अधिकारी इसके सदस्य सचिव होंगे और कलेक्टर के साथ संयुक्त रूप से बैंक खातों का संचालन करेंगे । यह समिति ही कर्मचारियों के मानदेय, रखरखाव और पुस्तकों के क्रय जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेगी।

दो मॉडल में तैयार होंगे परिसर

योजना के तहत दो तरह के वाचनालयों का निर्माण किया जाएगा। 500 सीटर मॉडलः निर्माण लागत 11.42 करोड़ और न्यूनतम 2 एकड़ भूमि । 250 सीटर मॉडल- निर्माण लागत 4.41 करोड़ और न्यूनतम 1 एकड़ भूमि । ये सभी निर्माण कार्य संबंधित नगरीय निकायों द्वारा किए जाएंगे, जिसकी भौतिक प्रगति के आधार पर शासन द्वारा राशि हस्तांतरित की जाएगी । डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा अध्ययन केंद्र-नालंदा परिसर में न केवल यूपीएससी,पीएससी,आईआईटी, एम्स और भर्ती परीक्षाओं के लिए मानक और रिफरेंस पुस्तकें होंगी, बल्कि एक हाई-स्पीड ई-लाइब्रेरी भी स्थापित की जाएगी।

कितने नालंदा परिसर की स्थापना की जानी है

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल देने हेतु कुल 34 नए 'नालंदा परिसर' (सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन) स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से 10 शहरों में 500-सीटर और 22 शहरों में 250-सीटर अत्याधुनिक लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन बनाए जा रहे हैं। रायगढ़ में एनटीपीसी के सहयोग से 700-सीटर सबसे बड़ा नालंदा परिसर बनाया जा रहा है। नालंदा परिसर न केवल बड़े शहरों बल्कि दूरस्थ और वनांचल इलाकों में भी खोले जा रहे हैं। इनमें रायपुर,बिलासपुर,दुर्ग और भिलाई,रायगढ़ (राज्य का सबसे बड़ा 700-सीटर)सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर, सूरजपुर, बैकुंठपुर और चिरमिरी,जशपुर और कुनकुरी, पेंड्रा और बलरामपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा

नक्सलवाद पर कांग्रेस ने नहीं दिया सहयोग, झूठ बोलने में माहिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सल उन्मूलन को लेकर कांग्रेस के दावों और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कांग्रेस झूठ बोलने में माहिर है। बस्तर से लौटने के बाद संवाददाताओं चर्चा में उन्होंने कहा, यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने वास्तव में उतना प्रभावी काम किया होता, जितना अब दावा किया जा रहा है, तो छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद बहुत पहले कमजोर पड़ गया होता। केंद्र सरकार की स्पष्ट मंशा थी कि देश के अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी नक्सल प्रभाव तेजी से कम हो, लेकिन अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के कारण लंबे समय तक प्रदेश का बड़ा हिस्सा नक्सली हिंसा की चपेट में रहा।मुख्यमंत्री ने कहा, आज बस्तर में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह केवल सुरक्षा अभियानों का परिणाम नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, विकास कार्यों की तेज गति और स्थानीय जनता के विश्वास का सम्मिलित परिणाम है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार बस्तर को हिंसा, भय और पिछड़ेपन की पहचान से बाहर निकालकर शिक्षा, सड़क, सिंचाई, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई पहचान देने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि विपक्ष तथ्यहीन नैरेटिव गढ़कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है।

जनता के विश्वास की जीत

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रतिक्रिया सामने आई थी, जिस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा, नक्सलवाद जैसे गंभीर और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषय पर राजनीतिक भ्रम और बयानबाजी करने के बजाय ईमानदार आत्ममंथन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, आज बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास का जो वातावरण बन रहा है, वह केंद्र सरकार की स्पष्ट नीति, राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, सुरक्षा बलों के पराक्रम और जनता के विश्वास की जीत है।

कांग्रेस की नीतियों से नक्सलवाद कम हुआ : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, कांग्रेस की सरकार बनने के बाद विश्वास विकास सुरक्षा के मूल मंत्र से नक्सलवादी घटनाओं और नक्सलवाद पर कमी आई थी। कांग्रेस की सरकार के समय दूरस्थ क्षेत्रों में कैंप बनाये गये पहुंच मार्ग बनाये गये। लोगों का भरोसा सरकार और सुरक्षा बलों के प्रति बढ़ा था। नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण हुआ था। 600 से अधिक गांव नक्सल मुक्त हुये थे, नक्सली केवल बीजापुर के कुछ ब्लाक और अबूझमाड़ तक सिमट गये थे।

नगर पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों के लिए आप प्रत्याशी घोषित

पार्टी ने कहा, संगठनात्मक फीडबैक के आधार पर चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने प्रदेश में होने वाले आगामी नगर पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों के लिए अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह इन चुनावों को पूरी गंभीरता, संगठनात्मक मजबूती और जनता के मुद्दों के साथ लड़ेगी। दिल्ली के विधायक एवं आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के सहप्रभारी मुकेश अहलावत बीते दिनों छग प्रवास पर थे। इस दौरान कई बैठक हुई। प्रदेश पदाधिकारियों के साथ विस्तृत मंथन, स्थानीय समीकरणों, जनस्वीकृति एवं संगठनात्मक फीडबैक के आधार पर प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है।

आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष उत्तम जायसवाल, अभिषेक मिश्रा एवं देवलाल नरेटी ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा, पार्टी द्वारा घोषित सभी प्रत्याशी ईमानदार छवि, जनसंघर्ष और जनता के मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता रखने वाले साथी हैं। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी क्षेत्र की जनता की आवाज को मजबूती से उठाते हुए विकास, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसरोकारों की राजनीति को नई दिशा देंगे।

इन्हें बनाया गया प्रत्याशी

पार्टी द्वारा बिलासपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 29 से साहिल खान तथा जगदलपुर नगर निगम वार्ड क्रमांक 16 से रुबीना कुरैशी को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत घुमका से अध्यक्ष पद हेतु अलीशा जोशी को प्रत्याशी बनाया गया है। वार्ड प्रत्याशियों में आशुतोष नारायण सिंह, रेवती बघेल, हुमन लाल जोशी, रविन्द्र ठाकुर, विक्रम वर्मा, गोपेश्वर वर्मा, हिंसा राम वर्मा, पदमा वर्मा, दिनेश्वरी साहू, जयप्रकाश यदु, रोशन कुमार, केलेश्वरी वर्मा, पूर्णिमा वर्मा, कमली बाई वर्मा एवं सालिक राम को पार्टी ने मैदान में उतारा है। नगर पंचायत बम्हनीडीह से अध्यक्ष पद के लिए माधव प्रसाद डडसेना को प्रत्याशी घोषित किया गया है। वहीं वार्ड प्रत्याशियों में अहमद रजा, कंचन चौहान, मनीराम पटेल, नत्थूलाल यादव, पृथ्वीराज चौहान, कालिंद्री जायसवाल, सुमित्रा डडसेना, दीपिका जायसवाल, रामकुमार कुम्हार एवं रामगोपाल जायसवाल को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। नगर पंचायत पलारी से अध्यक्ष पद पर कृष्ण बंजारे को उम्मीदवार बनाया गया है। वार्ड प्रत्याशियों में प्रशांत साहू, लोकेंद्र साहू, दिना राम साहू, परमिता साहू एवं वेद प्रकाश ठाकुर को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं नगर पंचायत शिवनन्दनपुर से अध्यक्ष पद के लिए सतपाल साहू को प्रत्याशी घोषित किया गया है तथा वार्ड प्रत्याशियों में अजय घोष, सिंधु घोष, नीरा सिंह, अविनाश सोनी, मंगरु गुप्ता, विजय पठारी एवं मोनू पठारी को अधिकृत उम्मीदवार बनाया गया है।

सराफा बाजारों में कांग्रेस का प्रदर्शन, कारोबारियों कारीगरों और आम जनता से किया संवाद

केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर शहर और ग्रामीण द्वारा बढ़ती महंगाई एवं सोना-चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में सर्राफा बाजारों में व्यापक प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सराफा दुकानों के सामने धरना-प्रदर्शन कर आम जनता, व्यापारियों, स्वर्णकार कारीगरों एवं ग्राहकों से संवाद स्थापित किया तथा केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

शहर जिला कांग्रेस के द्वारा सराफा व्यापारियों एवं सराफा लाइन में काम करने वाले सोनार तथा कारीगरों से मिलने और उनके व्यवसाय में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सोना ना खरीदने के आव्हान के असर के संबंध में चर्चा की गई और जनसंपर्क किया गया। मंगलवार को रायपुर के सदर बाजार एवं बूढ़ा पारा क्षेत्र के सराफा व्यवसाय करने वाले ज्वैलर्स से मिलकर कोतवाली चौक से सदर बाजार मार्ग के विभिन्न शोरूम एवं दुकानों में आने वाले ग्राहकों , दुकानदारों एवं कारीगरों से भी मुलाकात और चर्चा की । उन्होंने सोना ना खरीदने के आव्हान पर आक्रोश जताया और इसे अव्यवहारिक और भारतीय अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने वाला बताया।

लोगों ने कहा- नेताओं की मासिक पेंशन देश को दान करें

इससे पूरे देश की अर्थ व्यवस्था को चोट पहुंचेगी क्योंकि पहले यही सरकार और जानकार सोने में निवेश को ही सबसे अच्छा कदम बताते थे। यह सबसे ज़्यादा रिटर्न वाला निवेश है आज उसी सोने की ख़रीदी पर अघोषित प्रतिबंध लागू हो रहा है। आम लोगो ने मोदी के आव्हान का विरोध करते हुए शासकीय खर्चो पर नियंत्रण, आईपीएल जैसे आयोजनों पर रोक, नेताओं की मासिक पेंशन और सैलेरी को एक साल तक देश को दान करने की मांग की।

ग्रामीण क्षेत्र में भी किया गया प्रदर्शनः-जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे आरंग में पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया, रायपुर ग्रामीण में पंकज शर्मा, अभनपुर में प्रवीण साहू, तिल्दा में शैलेश नितिन त्रिवेदी, धरसीवा में अनीता शर्मा, पूर्व सांसद छाया वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने कहा, आज सोना-चांदी की कीमतें लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों, किसानों, मजदूरों एवं छोटे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रहा है।

25 मई तक चलेगा 'जनजातीय गरिमा' उत्सव

शासन की योजनाएं और सेवा की पहुंच जनजातीय क्षेत्रों में बढ़ाने विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के निर्देशानुसार 'जनजातीय गरिमा' उत्सव के अंतर्गत 'जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले' थीम पर आधारित अभियान का प्रदेश स्तर पर शुभारंभ किया गया। शासन की इसी सोच के साथ जिले के उन गांवों को प्राथमिकता दी जा रही है जो भौगोलिक रूप से सबसे दूर हैं। प्रशासन का लक्ष्य 25 मई तक हर पात्र व्यक्ति को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना है। पहले दिन जिला स्तर पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में अभियान के उद्देश्यों और कार्ययोजना की जानकारी दी गई।

विभागीय मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, जनजातीय गरिमा उत्सव प्रदेश के जनजातीय बसाहटों के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में जनजातीय क्षेत्रों का विकास बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जैसे मजबूत नींव पर ही मजबूत भवन तैयार होता है, उसी प्रकार विकसित भारत के निर्माण में जनजातीय गांवों का शत-प्रतिशत विकास आधारशिला का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, आदि कर्मयोगी अभियान और सर्वे सेतु ऐप में बेहतर प्रदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में पहचान बनाई है। उन्होंने अधिकारियों से अभियान के मूल उद्देश्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का आह्वान किया।

जनसुनवाई, स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा पर फोकस

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और आयुक्त डी. राहुल वेकंट के नेतृत्व में अभियान की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदायों तक शासन की योजनाओं और सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना तथा जनभागीदारी बढ़ाना है। अभियान के दौरान जमीनी संपर्क, स्वास्थ्य जागरूकता, सेवा संतृप्ति और आदि सेवा केन्द्रों में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा और सभी गतिविधियों की रिपोर्ट प्रतिदिन आदि प्रसारण पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

नागरिक सहकारी बैंकों में बढ़ेंगी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं सहकारिता आयुक्त ने कहा- मोबाइल-नेट बैंकिंग शुरू करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

राज्य के शहरी सहकारी बैंकों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने के लिए आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़ महादेव कावरे ने समीक्षा बैठक ली। इस समीक्षा बैठक में राज्य के 12 शहरी नागरिक सहकारी बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में श्री कावरे ने इन बैंकों को निजी क्षेत्रों के बैंकों से प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहने और बैंकों को एनपीए से बचने की सलाह भी दी।

बैठक में सहकारिता आयुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई नवाचारात्मक पहलों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर और आसान बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एईपीएस (आधार आधारित भुगतान प्रणाली) जैसी सुविधाएं शुरू की जाएं।

नई तकनीक से देंगे बेहतर सेवाएं

सहकारिता आयुक्त ने बैंकों को यह भी निर्देशित किया कि वे तकनीकी सहायता और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए गठित अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ें। इससे बैंकों को नई तकनीक अपनाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद मिलेगी। बैठक में अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली के अधिकारी सुमीत हंस ने बैंकों को संगठन से जुड़ने के लाभ और उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे सहकारी बैंक डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को तेजी से लागू कर सकेंगे।

शामिल हुए ये बैंकर

इस अवसर पर व्यावसायिक सहकारी बैंक रायपुर, नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, लक्ष्मी नागरिक सहकारी बैंक रायपुर, रायपुर अर्बन मर्केंटाइल को-ऑप बैंक, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़, महासमुंद, अंबिकापुर और जगदलपुर के सहकारी बैंक शामिल हुए। सहकारिता आयुक्त श्री कावरे ने सभी बैंकों को तय समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए। इस पहल से प्रदेश के सहकारी बैंकों में डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा और ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी।

परिवहन आरक्षक के परिणाम जारी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा के अंतिम उत्तर तथा परिणाम जारी कर दिए गए हैं। परिवहन आयुक्त कार्यालय के अंतर्गत रिक्त पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा 19 अप्रैल को आयोजित की गई थी। परिणाम व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड हैं। अभ्यर्थी लॉग-इन कर अपने परिणाम देख सकते हैं।

निधन

इंदिरा शर्मा

रायपुर। बक्शी मार्ग चौबे कॉलोनी निवासी इंदिरा शर्मा वर्ष (89) सेम्हरा वाले का 18 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे प्रफुल्ल एवं प्रदीप शर्मा की माता थीं।

बंशीलाल बिसेन

रायपुर। प्रोफेसर कालोनी निवासी बंशीलाल बिसेन (56) का 18 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेव घाट में किया गया। वे निर्मला बिसेन के पति और निखिल बिसेन के पिता थे।

गोविंद मिश्रा

रायपुर। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, फेस 2 सेजबहार निवासी अमलीडीह के पूर्व पार्षद गोविंद मिश्रा (53) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 20 मई को सुबह 9.30 बजे उनके पैतृक ग्राम घुरसेना बिलासपुर के लिए निकलेगी। वे स्व. सुभाष मिश्र के पुत्र, मुरारी मिश्रा के भाई और आदित्य मिश्रा एवं अमय मिश्रा के पिता थे।

कमला ताम्रकार

रायपुर। लिली चौक निवासी कमला ताम्रकार का 19 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 20 मई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. ढालेश्वर प्रसाद ताम्रकार की धर्मपत्नी, अधिवक्ता योगेन्द्र ताम्रकार, राजेन्द्र ताम्रकार की बुआ और लोकेश ताम्रकार, अमन ताम्रकार, आयुष ताम्रकार की दादी थीं।

देव वाधवानी

रायपुर। न्यू पीयूष कॉलोनी अमलीडीह निवासी देव वाधवानी का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 20 मई को सुबह 11 बजे निवास स्थान से तेलीबांधा मुक्तिधाम जाएगी। वे संजय वाधवानी के पुत्र, महेश,विजय, राकेश, राजू वाधवानी के भतीजे एवं लोकेश, निखिल वाधवानी के भाई थे।

चंद दिनों का दिखावा और बंद हो गई खाद्य पदार्थों की जांच, खुले में बिक रहा गन्ना रस, दे रहा बीमारियों को निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोगों को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने और व्यापारियों को जागरूक करने 15 दिन के अभियान की औपचारिकता के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन की जांच बंद हो गई। गर्मी के दिनों में शहर के विभिन्न इलाकों में लगने वाले गन्ना सहित अन्य फलों के जूस सेंटर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। पर्याप्त साफ-सफाई के अभाव में चलने वाले इन जूस सेंटरों की तरफ अब विभाग का ध्यान ही नहीं जा रहा है।

- पंद्रह दिन की जांच में पूरी की औपचारिकता, अब गुणवत्ता पर विभाग का ध्यान नहीं

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने 27 अप्रैल से 11 मई तक चलाए गए अभियान के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों की दुकानों में जाकर रेंडम जांच कर अपनी औपचारिकता पूरी की थी। इस दौरान स्ट्रीट वेंडरों से सैंपल लेकर उन्हें व्यापार के दौरान साफ-सफाई रखने की नसीहत भी दी थी। अभियान समाप्त होने के बाद खाद्य पदार्थों की जांच करने का दिखावा भी बंद हो गया।

वर्तमान में गर्मी का मौसम होने के दौरान राजधानी समेत तमाम इलाकों में गन्ना रस समेत अन्य फलों के जूस सेंटर बड़ी संख्या में संचालित हो रहे हैं। इन दुकानों में साफ-सफाई का अभाव है, मगर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है।

गर्मी आते ही शुरू होती है गन्ना रस की दुकान, सफाई के अभाव से बीमारी का खतरा

अभियान के सैंपलों का पता नहीं

चलाए गए अभियान के दौरान समोसा, चाट, दही बड़ा एवं अन्य खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया था। अभियान को दस दिन बीतने के बाद भी अब तक उनकी जांच और रिपोर्ट का पता नहीं चला है। जांच के दौरान टीम को प्रदेशभर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों से बड़ी मात्रा में एक्सपायरी सामान मिला था, जिसे नष्ट कराया गया था। उस दौरान व्यापारियों को खाद्य पदार्थ बनाने के दौरान हाईजीन व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए थे। इसका पालन कितना हो रहा है, इस ओर ध्यान देने की जरूरत ही नहीं समझी गई।

धूल-मिट्टी से बचाव के साधन नहीं अपनाए जा रहे हैं

सफाई के बिना इन दुकानों में पिलाए जाने वाले जूस बीमारी का कारण बन सकते हैं। सड़क किनारे लगाई जाने वाली इन दुकानों में न धूल-मिट्टी से बचाव के साधन अपनाए जा रहे हैं और न मक्खियों को दूर रखने कोई उपाय किए जा रहे हैं। तीस रुपये प्रति गिलास की दर पर बिक रहे इस गन्ने के रस में जो बर्फ मिलाई जाती है, वह भी मानक से परे होती है। इन गन्ना रस की दुकानों की जांच के लिए विभागीय टीम समय नहीं निकाल पा रही है।

26 मई को रायपुर में होगा दस्तावेजों का परीक्षण

मेडिकल कालेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती, चार विभागों की अंतिम सूची जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए सीजीपीएससी ने चार विभागों की अंतिम सूची जारी की है। मेरिट लिस्ट में शामिल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण 26 मई को होगा। मुख्य प्रावीण्य सूची के साथ कुछ अभ्यर्थियों को वेटिंग में रखा गया है। इन्हें प्रथम उम्मीदवारों के नहीं आने पर मौका दिया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग मेडिकल कालेजों की व्यवस्था को दुरुस्त करने और खुलने वाले नए कालेजों को एनएमसी के मापदंड के अनुरूप लाने पर्याप्त संख्या में फैकल्टी की व्यवस्था के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी कर रहा है। इसके लिए सीजीपीएससी के माध्यम से असिस्टेंट प्रोफेसर के भर्ती की जा रही है। पीएससी ने पैथोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस, रेडियोलॉजी तथा टीबी एंड चेस्ट विभाग की कमियों को दूर करने के लिए अंतिम मेरिट लिस्ट

जारी कर दी है।जारी सूची में पैथोलॉजी के 7 पदों के लिए मुख्य सूची में 6 अनुपूरक में 1, रेडियोडायग्नोसिस में 10 पदों के लिए मुख्य सूची में 3 तथा अनुपूरक में 1, रेडियोलॉजी के 6 पदों में मुख्य सूची में 5 तथा अनुपूरक में 1 तथा टीबी एवं चेस्ट विभाग में 2 पद के लिए 2 अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी की गई है। इन अभ्यर्थियों को अपने दस्तावेजों के परीक्षण के लिए 26 मई को शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर में उपस्थित होने कहा गया है। नए शिक्षक मिलने के बाद चिकित्सा महाविद्यालयों की कमी काफी हद तक पूरी हो जाएगी।

नया कालेज में ज्वाइनिंग पर जोर

सूत्रों के मुताबिक चिकित्सा शिक्षा विभाग अभी राज्य में पांच नए चिकित्सा महाविद्यालय खोलने की कवायद कर रहा है। इन कालेजों विभिन्न नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी शिक्षण सत्र में इन कालेजों को शुरू करने के लिए पर्याप्त संख्या में फैकल्टी की आवश्यकता होगी। माना जा रहा है कि चयनित उम्मीदवारों नए कालेजों में नियुक्ति दी जा सकती है।

पैथोलॉजी विभाग में चयनित सात महिला

पैथोलॉजी विभाग की जारी अंतिम चयन सूची मुख्य और अनुपूरक लिस्ट में कल 9 लोगों का नाम शामिल है। इनमें सात महिला उम्मीदवार है, दो मेल डाक्टर अनुपूरक सूची में अपनी जगह बना पाए है। वहीं टीबी एवं चेस्ट में दोनों मेल, रेडियोलॉजी विभाग में मेल-फीमेल अभ्यर्थियों की संख्या 3-3, रेडियोडायग्नोसिस विभाग में तीन पुरुष और एक महिला अभ्यर्थी शामिल है।

डीजल की किल्लत और अवैध उत्खनन पर कार्रवाई से घटी रेत की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बारिश का सीजन शुरू होने से पहले रायपुर जिले में रेत की सप्लाई अचानक घट गई है, जिसका असर रेत की कीमत पर पड़ना शुरू हो गया है। मीडियम रेत जो बाजार में 14 से 15 हजार रुपए प्रति हाईवा थी, उसकी कीमत बढ़कर अब 17 से 18 हजार रुपए तक पहुंच गई है। इसी प्रकार बारीक रेत भी 20-22 हजार से बढ़कर 24 से 25 हजार प्रति हाईवा हो गई है। रेत की सप्लाई घटने का एक कारण जहां हाल ही में डीजल-पेट्रोल की घटी सप्लाई है, वहीं दूसरा बड़ा कारण जिले में संचालित रेत खदानों का बंद होना है।

- कीमत प्रति हाईवा 18 से 25 हजार पहुंची

सूत्रों के अनुसार जिले में जितनी रेत की खदानें वैध रूप से चल रही थीं, उन खदानों की ठेका अवधि खत्म हो गयी है, जिसे देखते हुए खनिज विभाग लगातार खदानों पर कार्रवाई करते हुए उत्खनन का कार्य बंद करा रहा है। पिछले सप्ताहभर में ऐसी कई कार्रवाई की गई है, जिसमें खनिज विभाग ने बड़ी संख्या में चेन माउंटेन मशीनों के साथ हाईवा गाड़ियों को जब्ती बनाया है।

जिले में सभी खदानें बंद, इसलिए रेत की सप्लाई भी रुकी : रायपुर जिले में वर्तमान में 6 खदानें ही वैध हैं। इनमें कुम्हारी, लखना, चिखली-ए, चिखली-बी, कुरुद एवं हरदीडीह खदान शामिल है। इन खदानों में भी नियम के विरुद्ध रात में भी उत्खनन कराकर रेत का परिवहन एवं भंडारण किया जा रहा था, जबकि नियमानुसार दिन ढलने के बाद उत्खनन नहीं किया जाना है। खनिज विभाग की उड़नदस्ता टीम ने इन सभी खदानों में दबिश देकर कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के बाद विभाग ने आगामी आदेश तक इन खदानों में उत्खनन पर रोक लगा दिया है। इसके बाद से जिले में एक भी रेत की खदान में उत्खनन का कार्य चालू नहीं है।

7 पुरानी एवं 7 नई खदानें भी बंद

रायपुर जिले में वर्ष 2023 में 13 रेत की खदानों की नीलामी हुई थी। इनमें से 8 खदानों को ही पर्यावरण विभाग ने एनओसी जारी किया था, वहीं शेष 5 खदानों को एनओसी ही नहीं मिल पाया, जिसके कारण इन खदानों में वैध रूप से कभी भी रेत का उत्खनन नहीं हो पाया। वैध 8 खदानों का ठेका अनुबंध भी खत्म हो चुका है, लेकिन इनमें से 6 खदानों को एक साल की ठेका अवधि बढ़ाई गई है, लेकिन इन खदानों में नियमों के विरुद्ध उत्खनन किया जा रहा था। इसी प्रकार वर्ष 2025-26 में 7 नई खदानें घोषित कर इनकी भी नीलामी की गई है, लेकिन इन खदानों के ठेकेदारों को अब तक पर्यावरण विभाग से एनओसी नहीं मिलने से उत्खनन का कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

रेत खदानें बंद होने से हाईवा ऑपरेटरों की रोजी-रोटी पर असर

छत्तीसगढ़ हाईवा परिवहन कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने जिले में रेत की सभी खदानें बंद होने पर कहा कि खदानों के बंद होने से रेत की सप्लाई रुक गई है, जिससे रेत की कीमत पर इसका असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि खदानें बंद होने से हाईवा ऑपरेटरों की रोजी-रोटी पर भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय का बड़ा हिस्सा रेत खदानों पर निर्भर रहता है तथा इससे कई लोग प्रभावित होंगे। उन्होंने खनिज विभाग के संचालक के नाम पत्र लिखकर जल्द से जल्द रेत खदानें शुरू कराने की मांग की है।

दूसरे जिलों से आ रही रेत इसलिए कीमत ज्यादा

जिले की रेत खदानें बंद होने से अब दूसरे जिलों से रेत मंगाई जा रही है। धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद जैसे जिलों से अब रायपुर जिले में रेत की सप्लाई हो रही है। दूसरे जिलों से रेत की सप्लाई होने से ट्रांसपोर्टिंग चार्ज भी ज्यादा लग रहा है, जिसके कारण रेत की कीमत में तेजी आई है।

ज्वेलर्स से करोड़ों के जेवर पार, सीसीटीवी में ले जाते कर्मचारी की तस्वीर कैद

रायपुर। राजधानी रायपुर के सदर बाजार स्थित एक ज्वेलर्स दुकान के लॉकर से दो करोड़ से अधिक कीमत के सोने के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। इस घटना की रिपोर्ट ज्वेलर्स ने कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार सदर बाजार स्थित मनोहरमल एंड कंपनी ज्वेलर्स दुकान के संचालक सुरेश भंसाली हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 13 अप्रैल को स्टॉक मिलान किया। इस दौरान सोने के जेवर कम पाए गए। जांच में पता चला कि कुल 1495 ग्राम 670 मिलीग्राम सोना गायब है। सोना चोरी को लेकर ज्वेलर्स में कार्यरत कर्मचारियों से पूछताछ भी की, लेकिन किसी ने जेवर के बारे जानकारी नहीं दी। इसके बाद उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज को खंगाला, जिसमें एक कर्मचारी जेवर ले जाते दिखाई दे रहा है। कर्मचारी का नाम सूरज साहू है, जो पिछले 16 साल से इस दुकान में कार्य कर रहा था।

डिस्प्ले जेवर को हर दिन लॉकर में रखता था आरोपी

पुलिस के अनुसार सूरज को दुकान संचालक ने डिस्प्ले में रखे गए सोने के जेवरों को हर रोज लॉकर में रखने की जिम्मेदारी दे रखी थी। 9 अप्रैल को सूरज ने जेवर डिस्प्ले से निकाले, लेकिन लॉकर में नहीं रखकर उसे अपने पास रख लिया। फूटेज में शाम करीब 4 बजकर 21 मिनट पर सूरज सोने के जेवर अपने साथ ले जाते दिखाई भी दे रहा है। आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी पतासाजी पुलिस कर रही है।

पीएससी ने मांगे सहायक लेखक के लिए आवेदन

रायपुर। जून में आयोजित होने वाली मुख्य सेवा परीक्षा के लिए पीएससी ने उन अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं, जो परीक्षा में सहायक चाहते हैं। पीएससी द्वारा 20 विभिन्न विभागों में रिक्त 265 पदों पर भर्ती होगी। प्रारंभिक परीक्षा के बाद चयनित परीक्षार्थियों के लिए मुख्य परीक्षा 6 से 9 जून तक आयोजित की जाएगी। इनमें शामिल होने वाले दिव्यांगजन सहायक के लिए निर्धारित नियमों का पालन करते हुए आवेदन कर सकते हैं।

डाक अदालत में आज सुलझेंगी समस्याएं

रायपुर। प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर द्वारा स्टेशन रोड स्थित रायपुर गंज उपडाकघर परिसर के कार्यालय में 20 मई को डाक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम डाक सेवाओं से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों पर प्रत्यक्ष परिचर्चा करके उनका समाधान करने के लिए किया जाएगा। 'डाक अदालत' सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक लगाई जाएगी। डाक सेवाओं से संबंधित समस्त शिकायतें जैसे डाक वस्तुओं का वितरण, काउंटर सेवाएं, लघुबचत योजनाएं (आरडी, बचत बैंक, बचत पत्र इत्यादि) रजिस्ट्री, मनीआर्डर, वीपीपी पार्सल, एक्सप्रेस पार्सल, स्पीड पोस्ट, मनीआर्डर, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित शिकायतों का समाधान डाक अदालत में किया जाएगा।

नोटिस

प्रकरण क्रमांकः DC/383/CC/183/25
पेशी तारीखः 12/06/2026

श्रीमति राधा निर्मलकर परिवादीनी
विरुद्ध
छ०ग० सेल्स कार्पोरेशन व अन्य विरोधी पक्षकार

प्रति

एलायंस एस्योर प्रायवेट लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय पता वास्तु सदन सेक्टर -01 शंकर नगर रायपुर जिला रायपुर (छ०ग०)

परिवादी द्वारा आप विरोधी पक्षकार के विरूद्ध उसे प्रदत्त सेवाओं के संबंध में व्यवसायिक कदाचरण अपनाये जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत किया है। आपको इस आयोग में दिनांक 12/06/2026 को दिन में 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समंस किया जाता है। आप आयोग में स्वयं या किसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। आयोग में उपसंजाती के लिए जो दिन नियत किया गया है, वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिए नियत दिन है, इसलिए आपको इस दिन अपने सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते है।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताये गये तारीख को इस आयोग में उपसंजात नहीं होंगे तो आपके वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

आज तारीख 13/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर और आयोग की मोहर लगाकर दिया गया।

स्थान : कोरबा
दिनांकः 13/05/2026

अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग कोरबा (छ०ग०)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता रमा जौ गिरवर निवासी-फुंडा, पाटन, दुर्ग छ.ग. के आधिपत्य व स्वामित्व की कृषि भूमि जो मौजा-फुंडा, प.ह.नं. 00020, रा.नि.म. भिलाई, तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित जिसका खसरा नंबर 441/9 रकबा 0.2000 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अग्रिम राशि विक्रेता को अदा कर दिये है, बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस पश्चात मेरे पक्षकार अपने नाम या अपने सुझाये व्यक्ति के नाम पर बैनामा पंजीयन करायेगें।

उक्त संव्यवहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तिय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करे बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी।

"सो सूचना जाने"

रायपुर छ.ग.
दिनांक 19/05/2026

भवदीय,
संदीप फरिकार (अधिवक्ता)
श्रीराम मंदिर के पास कंकाली पारा
रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं. 6264407954

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता श्री अजयनारायण पांडे पिता- श्री गोविंद देव पांडे निवासी-महादेव घाट रोड सत्य प्रेम विहार, सुन्दर नगर, रायपुर छ.ग. के आधिपत्य व स्वामित्व की कृषि भूमि जो मौजा-फुंडा, प.ह.नं. 00020, रा.नि.म. भिलाई, तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 613/4 रकबा 0.3600 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अग्रिम राशि विक्रेता को अदा कर दिये है, बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस पश्चात मेरे पक्षकार अपने नाम या अपने सुझाये व्यक्ति के नाम पर बैनामा पंजीयन करायेगें।

उक्त संव्यवहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तिय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करे बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी।

"सो सूचना जाने"

रायपुर छ.ग.
दिनांक 19/05/2026

भवदीय,
संदीप फरिकार (अधिवक्ता)
श्रीराम मंदिर के पास कंकाली पारा
रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं. 6264407954

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता लक्ष्मवंतीन जौ गिरधारीराम निवासी-फुंडा, पाटन, दुर्ग छ.ग. के आधिपत्य व स्वामित्व की कृषि भूमि जो मौजा-फुंडा, प.ह.नं. 00020, रा.नि.म. सेलुद, तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 441/2 रकबा 0.1800 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अग्रिम राशि विक्रेता को अदा कर दिये है, बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस पश्चात मेरे पक्षकार अपने नाम या अपने सुझाये व्यक्ति के नाम पर बैनामा पंजीयन करायेगें।

उक्त संव्यवहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तिय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करे बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी।

सो सूचना जाने

रायपुर छ.ग.
दिनांक 19/05/2026

भवदीय,
संदीप फरिकार (अधिवक्ता)
श्रीराम मंदिर के पास कंकाली पारा
रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं. 6264407954

पेज 11 के शेष ...

कम छात्र वाले विषयों की ...

गई थी। इससे छात्र परेशान हो गए थे। जिन विषयों को समय-सारिणी में जगह नहीं दी गई उनमें कम छात्र संख्या वाले विषयों के साथ-साथ एमएससी जैसे मेन स्ट्रीम के विषय भी शामिल थे।

कॉलेजों ने नहीं भेजा...

करते हैं। संशोधित समय-सारिणी कई बार छात्रों तक पहुंच नहीं पाती। ऐसे में वे पुरानी समय-सारिणी के आधार पर ही तैयारी करते हैं और परीक्षा से वंचित हो जाते हैं। पिछले दो सत्रों में ऐसे कई मामले आ चुके हैं। इसलिए इस बार छात्रों को समय-सारिणी भेजी ही नहीं गई है।

यह स्थिति इसलिए...

वाली कमेटी में भी शामिल किया जाता था। अब यह प्रथा समाप्त कर दी गई है। विषय-विशेषज्ञों के बगैर रविवि के अधिकारी-कर्मचारी ही समय-सारिणी तैयार कर रहे हैं। इसलिए बड़े पैमाने पर त्रुटि हो रही है। गड़बड़ियों को देखते हुए निजी महाविद्यालय संघ विवि प्रशासन से पूर्व व्यवस्था लागू करने की मांग कर चुका है, लेकिन इस दिशा में भी अब तक कोई प्रयास नहीं किए गए हैं।

दाखिले के लिए पहुंच रहे छात्र ..

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अब तक तिथियों की घोषणा नहीं की गई है, इसलिए महाविद्यालय छात्रों को कोई निश्चित तिथि नहीं बता पा रहे हैं। इसके स्थान पर वे छात्रों को वापस लौटा रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल 29 अप्रैल को दसवीं के साथ-साथ बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों की भी घोषणा कर चुका है। इसके अलावा सीबीएसई ने भी 12वीं कक्षा के परिणाम 13 मई को घोषित कर दिए थे। इसमें उत्तीर्ण छात्र अब महाविद्यालयों में दाखिले के लिए इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि केंद्रीकृत आवेदन की व्यवस्था होने के पूर्व तक महाविद्यालय अपने स्तर पर दाखिले आरंभ कर देते थे। अधिकतर महाविद्यालय मई में ही आवेदन पत्रों की बिक्री प्रारंभ कर देते थे अथवा तिथि निर्धारित कर देते थे, ताकि छात्रों को अधिक परेशानी ना हो। छात्रों की सुविधा के लिए बनाई गई केंद्रीकृत व्यवस्था में लेट-लतीफी अब पहले की तुलना में अधिक व्यवधान उत्पन्न कर रही है।

विवि प्रबंधन ने कहा-आगे...

प्रेषित करने की बात कही है। विवि का कहना है कि शैक्षणिक कैलेंडर जारी करने का निर्णय शासन स्तर का है। ऐसे में उनके द्वारा इस विषय में कोई निर्णय नहीं लिए जा सकते और ना ही कोई व्यवस्था की जा सकती है। ना केवल रविवि बल्कि प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के समक्ष भी इसी तरह की स्थिति निर्मित हो गई है।

रामकी पर दो बार जुर्माना,...

खुद गाड़ी चला कर निकले नेता प्रतिपक्ष, घरों से निकलवाया कचरा : नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी आज अपने वार्ड-34 पंडित रविशंकर शुक्ल में खुद गाड़ी लेकर निकले और घर-घर जाकर लोगों के सहयोग से कचरा उनके घरों से बाहर निकलवाने का काम किया। आकाश तिवारी ने कहा कि 5 दिनों से कचरा नहीं उठने के कारण लोगों के घरों में संक्रमण बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। इसे देखते हुए वे स्वयं घर-घर गाड़ी लेकर जा रहे हैं और कचरा निकलवा रहे हैं।

हड़ताल खत्म होने का दावा खोखला : रामकी कंपनी के ठेका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने की बात पूरी तरह से झूठ है। शहर में कई वार्डों में मंगलवार को भी कचरा गाड़ी नहीं पहुंची, जिससे जनता परेशान है। लोगों के घरों में 5-6 दिनों का कचरा डंप हो गया है, जिससे संक्रमण बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

- आकाश तिवारी, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम रायपुर

अवैध रेत उत्खनन-भंडारण पर...

खदान वैध रूप से संचालित हो रही है, लेकिन इस खदान में स्वीकृत क्षेत्र के बाहर तथा पर्यावरणीय शर्तों का उल्लंघन कर 2 पोकलेन मशीनों से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। इस खदान पर कार्रवाई करते हुए दोनों पोकलेन मशीन जब्ती बनाकर उसे सीलबंद किया गया है, साथ ही खदान में अवैध उत्खनन कार्य तत्काल बंद कराया गया। इसी प्रकार तहसील गोबरा नवापारा के ग्राम नवागांव, जौंदा, जौंदी तथा डगनिया में महानदी से रेत लाकर बिना वैध अनुमति के भंडारण किया गया। इस मामले में अनिल कुमार साहू, गोविंद साहू, ईश्वर पटेल, प्रताप सेन, त्रिलोकी साहू एवं अजय साहू के विरुद्ध विभाग ने नोटिस जारी किया है। अवैध रूप से भंडारण की गई रेत को भी छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के प्रावधानों के तहत जब्ती बनाकर ग्राम पंचायतों के सुपुर्द किया गया है।

बिजनेस साइट

जब बाजार बदलते हैं, तो फ्लेक्सीबिलिटी क्यों जरूरी है?

रायपुर। इक्विटी बाजार शायद ही कभी एक सीधी रेखा में चलते हैं जैसा कि हाल की घटनाओं, जैसे कि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक संघर्ष ने हमें याद दिलाया है। ऐसे दौर आते हैं जब लार्ज, स्थापित कंपनियां बाजार का नेतृत्व करती हैं, और ऐसे भी दौर आते हैं जब मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक ज्यादा मजबूत रिटर्न देते हैं। रिटेल निवेशकों के लिए चुनौती सिर्फ अच्छी कंपनियों की पहचान करना ही नहीं है, बल्कि यह भी अंदाजा लगाना है कि किसी भी समय बाजार का कौन सा हिस्सा बेहतर प्रदर्शन करने की स्थिति में है।

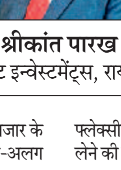

श्रीकांत पारख
प्रूडेंट इन्वेस्टमेंट्स, रायपुर

फ्लेक्सीकैप निवेश इसी समस्या को हल करने की कोशिश करता है। एक फ्लेक्सीकैप फंड वैल्यूएशन, विकास की संभावनाओं, बाजार के मूड और जोखिम-इनाम के आधार पर लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों के बीच निवेश बदल सकता है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि बाजार के अलग-अलग चरणों में अलग-अलग मार्केट-कैप सेगमेंट अलग-अलग तरह से व्यवहार करते हैं।

अनिश्चित या कमजोर बाजारों में, लार्ज-कैप स्टॉक ज्यादा स्थिरता दे सकते हैं। ये कंपनियां आमतौर पर ज्यादा स्थापित होती हैं, इनकी बैलेंस शीट ज्यादा मजबूत होती है, इन्हें पूंजी तक बेहतर पहुंच मिलती है, और इनके कारोबार ज्यादा स्थिर होते हैं। छोटी कंपनियों की तुलना में, मुश्किल दौर में ये कंपनियां नुकसान से बेहतर सुरक्षा दे सकती हैं।

सुधरते हुए बाजारों में, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक ज्यादा आकर्षक हो सकते हैं। छोटी कंपनियां बेहतर मांग, बढ़ती मुनाफे की संभावना, कमाई में बढ़ोतरी और री-रेटिंग से ज्यादा तेजी से फायदा उठा सकती हैं। जब कारोबारी हालात अनुकूल होते हैं, तो ये सेगमेंट पूंजी में बढ़ोतरी की ज्यादा संभावनाएं दे सकते हैं, हालांकि इनमें उतार-चढ़ाव भी ज्यादा होता है।

फ्लेक्सीकैप तरीके की अहमियत इस बात में है कि आप किसी एक ही सेगमेंट में फंसकर नहीं रह जाते। एक फ्लेक्सीकैप फंड, अपनी बनावट के हिसाब से, बाजार के हालात बदलने पर अपने निवेश को एडजस्ट कर सकता है। इससे फंड मैनेजर को यह गुंजाइश मिलती है कि जब वैल्यूएशन बहुत ज्यादा हो या बाजार का मूड बहुत ज्यादा जोश में हो, तो वह जोखिम कम कर सके, और जब निवेश के अवसर ज्यादा आकर्षक लगें, तो वह निवेश बढ़ा सके। खुदरा निवेशकों के लिए यह लचीलापन फायदेमंद हो सकता है क्योंकि बाजार का नेतृत्व लगातार बदलता रहता है। सही समय पर मार्केट-कैप श्रेणियों के बीच निवेश बदलना मुश्किल होता है। एक फ्लेक्सीकैप फंड निवेशकों के लिए बार-बार खुद से निवेश के फैसले लेने की जरूरत को कम कर सकता है। इस तरह, बदलते बाजार में, एक मजबूत पोर्टफोलियो एक बोझ बन जाता है। फ्लेक्सीकैप फंड इक्विटी निवेश का एक ज्यादा लचीला और व्यावहारिक रास्ता दिखाते हैं।

जो निवेशक इस तरीके के हिसाब से चलने वाला फंड ढूंढ़ रहे हैं, उनके लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड एक बेहतरीन उदाहरण है कि यह रणनीति असल में कैसे काम करती है। अलग-अलग मार्केट-कैप में इसका फ्लेक्सीबल निवेश, बाजार के अलग-अलग चरणों में निवेश के अवसरों का फायदा उठाने और साथ ही निवेश में विविधता बनाए रखने के मकसद से किया जाता है। 30 अप्रैल, 2026 तक, इसने एक वर्ष में 7.85 प्रतिशत, तीन वर्षों में 17.49 प्रतिशत, और शुरुआत (जुलाई 2021) से अब तक 14.12 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है।

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा श्रीमती इंद्राणी शर्मा पति श्री रूपेश कुमार शर्मा निवासी कोपेडीह, थाना अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) ने विक्रेता अजीता एडम पति श्री अरनाल्ड एडम निवासी आगनबाड़ी के सामने, राजीव गांधी वार्ड, वार्ड क्र.-33, जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.) के हक, कब्जे एवं स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 110/3 रकबा 0.0128 हे. अर्थात 1375 वर्गफुट भूमि जो मौजा ग्राम कोपेडीह, प.ह.नं. 05, रा.नि.मं. अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित है को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना राशि विक्रेता को अदा कर दी है, शेष प्रतिफल राशि अदा कर विक्रयपत्र का निष्पादन एवं पंजीयन किया जाना शेष है। यह कि उपरोक्त क्रय विक्रय पर यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, बोर्ड, प्राधिकरण निगम, केन्द्र शासन, राज्य शासन, साहूकार आदि को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन से 10 दिवस के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करें। समाचार पत्र मे प्रकाशन के माध्यम से की गई आपत्ति/खंडन स्वीकार योग्य नही होगी। निर्धारित समयावधि पश्चात विक्रयपत्र की लिखा-पढ़ी एवं रजिस्ट्री करा ली जावेगी उस दशा में प्राप्त आपत्ति झूठी एवं नाजायज करार दी जावेगी तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी । अतः ताकीद जाने ।

रायपुर
दिनांक 15.05.2026

भवदीय
सत्यम पाण्डेय,
आलोक कुमार शुक्ला,
अधिवक्ता
पता एल- 253, सेक्टर- 2, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर (छ.ग.)- 492010
मो.नं.- 9425576406 / 9926128406

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

2014 में बन गया था ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम, तकनीक नहीं थी इसलिए 2026 तक इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 की कॉपियों की जांच में इस्तेमाल किए गए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को लेकर उठ रहे सवालों पर विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया है। हाल के दिनों में कई छात्रों और अभिभावकों ने आरोप लगाया था कि उन्हें उम्मीद से कम अंक मिले हैं और मूल्यांकन प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इसके बाद बोर्ड लगातार सोशल मीडिया पोस्ट, नोटिस और आधिकारिक बयान जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है। अब सीबीएसई ने ओएसएम सिस्टम से जुड़े कई सामान्य सवालों के जवाब दिए हैं और बताया है कि यह डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया कैसे तैयार और लागू की गई।

सीबीएसई ने कहा, वर्ष 2014 में ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम की योजना बनाई थी। उस समय जरूरी तकनीक उपलब्ध नहीं थी, इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सका। बाद में नई तकनीक आने और अन्य बोर्डों में इसके सफल उपयोग को देखते हुए इसे 2025-26 से लागू करने की मंजूरी दी गई। सीबीएसई के अनुसार मूल्यांकन प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं है। केवल कॉपी जांचने का माध्यम बदला है। पहले शिक्षक कागज पर कॉपी जांचते थे, अब वही कॉपी स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

■ ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बोर्ड ने दी सफाई

■ "लैंप स्कैनर" की मदद से की गई उत्तरपुस्तिकाओं की स्कैनिंग

शिक्षक नहीं, सिस्टम ने जोड़े अंक

सिस्टम को मार्किंग स्कीम से जोड़ा गया है। शिक्षक जैसे ही किसी प्रश्न के अंक दर्ज करते हैं, सिस्टम उन्हें अपने आप जोड़ लेता है, जिससे जोड़ में गलती की संभावना खत्म हो जाती है। सीबीएसई ने पांच स्कूलों में शिक्षकों के साथ इस सिस्टम का ट्रायल किया। शिक्षकों को पहले प्रशिक्षण दिया गया और फिर उनके सुझावों के आधार पर सिस्टम में सुधार किए गए। शिक्षकों को वेबिनार, ऑनलाइन ट्रेनिंग, मॉक इवैल्यूएशन, वीडियो ट्यूटोरियल और दिशा-निर्देशों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। सीबीएसई ने एक अलग प्रैक्टिस पोर्टल उपलब्ध कराया था, जहां शिक्षक अपनी सुविधा के अनुसार सिस्टम का अभ्यास कर सकते थे।

रिजेक्ट कर सकते थे शिक्षक

बोर्ड का कहना है कि उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग क्षेत्रीय कार्यालयों में विशेष "लैंप स्कैनर" की मदद से की गई, जिससे कॉपियों को बिना नुकसान पहुंचाए स्कैन किया जा सका। गुणवत्ता जांच तीन स्तरों पर हुई। पहला स्कैनिंग के समय, दूसरा क्वालिटी कंट्रोल टीम द्वारा और तीसरा मूल्यांकन करने वाले शिक्षक द्वारा। अगर कोई स्कैन धुंधला या पढ़ने में कठिन होता था तो शिक्षक उसे रिजेक्ट कर सकते थे। ऐसी कॉपियों को दोबारा स्कैन किया जाता था और गुणवत्ता जांच के बाद फिर से मूल्यांकन के लिए भेजा जाता था। सीबीएसई के अनुसार स्कैनिंग की जांच कई स्तरों पर हुई थी और शिक्षकों को खराब स्कैन अस्वीकार करने का अधिकार भी दिया गया था, इसलिए ऐसी शिकायतों की संभावना काफी कम थी।

खबर संक्षेप

महिला पीएसओ को दी गई सीपीआर की ट्रेनिंग

रायपुर। जिला प्रशासन एवं रेडक्रास सोसाइटी द्वारा संचालित प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम में मंगलवार को वीआईपी सुरक्षा वाहिनी माना में छसबल के विभिन्न इकाइयों से चयनित 15 महिला पीएसओ को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान वहां नोडल अधिकारी डॉक्टर सार्थक नंदा, रेड क्रॉस सोसाइटी के सहायक प्रबंधक एवं मास्टर ट्रेनर देव प्रकाश कुर्रे ने कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन के तरीके एवं इसके फायदे बताए। शिविर में डॉक्टर ऋतुसा, डॉक्टर इस्माइल निहाल, मीडिया प्रभारी गजेन्द्र डोंगरे तथा माना कैंप से हरीन्द्र नाथ सिंह, जयंत पाल, आर. ईश्वर सिंह एवं आर. राजेश यादव उपस्थित रहें। जानकारी दी गई कि सीपीआर प्रशिक्षण से आपात कालीन स्थितियों में जीवन बचा सकते हैं। प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत 16 जुलाई 2025 से अब तक कुल 19165 छात्रों शिक्षकों एवं पालकों और विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को 228 बैच में प्रशिक्षण दिया जा चुका हैं।

हिमालय विरासत ट्रस्ट ने किया डॉ. निशंक का सम्मान

रायपुर। साहित्य अकादमी दिल्ली में डॉ. निशंक का रचना संसार रविवारीय कहानी वार्ता के 150 संस्करण पूरे होने पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम हिमालया विरासत ट्रस्ट, देहरादून व साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सामूहिक तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश से लोग शामिल हुए। यह कार्यक्रम कहानी वार्ता के वक्ताओं के सम्मान के लिए किया गया। इसी दौरान हिमालय विरासत ट्रस्ट ने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक को कथा सम्राट 2026 द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. निशंक की कहानी पीड़ा से भी ऊपर की समीक्षा छत्तीसगढ़ रायपुर की डॉ. संजू साहू पूनम ने किया, जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया। डॉ. साहू पेशे से शासकीय नवीन महाविद्यालय माना कैंप में सहायक प्राध्यापक हैं।

महाप्रबंधक ने 5 'सजग प्रहरियों' को किया सम्मानित

हादसों के आगे ढाल बने रेलकर्मी सूझबूझ से टल गए बड़े रेल हादसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेल कर्मचारियों की सतर्कता और सजगता ने बीते महीने कई संभावित बड़े हादसों को टाल दिया। ड्यूटी के दौरान अपनी सूझबूझ से ट्रेनों को दुर्घटनाग्रस्त होने और आग की चपेट में आने से बचाने वाले 5 कर्मचारियों को मंगलवार को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने सम्मानित किया। हर माह आयोजित होने वाली संरक्षा बैठक में इन 'सजग प्रहरियों' को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए यह सम्मान दिया गया। अगर इन कर्मचारियों ने समय रहते खतरों को नहीं भांपा होता, तो ट्रेनों के पटरी से उतरने (डिरेलमेंट) या आग लगने जैसी गंभीर घटनाएं हो सकती थीं। बिलासपुर मंडल के ट्रैक मेंटेनर ललन रजक ने ट्रैक की ओर तेजी से बढ़ती जंगल की आग को देखकर तुरंत अधिकारियों को सतर्क किया। वहीं, उमरिया के यातायात सहायक शिव नारायन बर्मन और नागभीड़ के लोको पायलट अजय कुमार पटेल ने अलग-अलग घटनाओं में मालगाड़ियों के वैगन से धुआं उठते देखा। अधिकारियों को सूचना देने के बाद जांच में यह हॉट एक्सल की गंभीर समस्या निकली।

केस 1

जंगल की आग से बचाई पटरियां

17 अप्रैल को बिलासपुर मंडल के जामगा में ट्रैक मेंटेनर-आईवी ललन रजक ने देखा कि जंगल की आग तेजी से रेलवे ट्रैक की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने तुरंत अपने इंचार्ज को सूचना दी, जिसके बाद पीडब्लूआई ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। यदि आग ट्रैक तक पहुंच जाती, तो वहां से गुजरने वाली ट्रेनें इसकी चपेट में आ सकती थीं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था।

केस 2

धुआं उठते देख पहचाना हॉट एक्सल

23 अप्रैल को उमरिया स्टेशन पर यातायात सहायक-I शिव नारायन बर्मन ने एक गुजरती हुई मालगाड़ी के 21वें वैगन से धुआं निकलते देखा। इसी तरह, 13 अप्रैल को नागपुर मंडल के नागभीड़ में लोको पायलट श्री अजय कुमार पटेल ने केलझर स्टेशन पर खड़ी एक अन्य मालगाड़ी के 30वें वैगन के एक्सल से धुआं निकलते देखा। दोनों ने तुरंत अलर्ट किया और जांच में 'हॉट एक्सल' पाया गया। हॉट एक्सल के कारण पहिए जाम होकर टूट सकते थे, जिससे तेज रफ्तार ट्रेन बुरी तरह से पटरी से उतर सकती थी।

केस 3

आवाज सुनकर पकड़ी फ्लेट टायर की गड़बड़ी

28 अप्रैल को बाराद्वार बिलासपुर मंडल में लेवल क्रॉसिंग-324 गेट पर तैनात ट्रैक मेंटेनर-II श्री खूब चन्द साहू ने गुजरती हुई एक मालगाड़ी के 12वें वैगन से एक असामान्य आवाज सुनी। उन्होंने तुरंत शक्ति स्टेशन मास्टर को सूचना दी, जहां जांच में 'फ्लेट टायर' पहिए का घिस जाना की पुष्टि हुई। फ्लेट टायर से पटरियां टूट सकती हैं या पहिया ट्रैक से उतर सकता है, जिससे बड़ा डिरेलमेंट हो सकता था।

केस 4

ट्रैक पर झटके को किया महसूस

16 अप्रैल को नागपुर मंडल के लोको पायलट शेख जावेद मंसूरी अपनी मालगाड़ी से नैनपुर-केवलारी के बीच गुजर रहे थे। तभी किमी 1121/21 पर उन्हें एक जोरदार आवाज के साथ झटका लगा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी और गाड़ी को सुरक्षित किया। यह झटका ट्रैक में किसी बड़ी दरार या खराबी का संकेत था। यदि इसे नजरअंदाज किया जाता, तो पीछे से आने वाली ट्रेनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का पूरा खतरा था।

रामनगर-गुढ़ियारी में बिजली कटौती

कांग्रेस ने किया सीएसईबी कार्यालय का घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुबोध हरितवाल के नेतृत्व में मंगलवार को गुढ़ियारी स्थित सीएसईबी कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया गया। राम नगर और गुढ़ियारी क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती के खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया। बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर संजीव सिंह ने सुधार का आश्वासन देते हुए एक माह का समय मांगा। उस पर सुबोध हरितवाल ने कहा, अधिक से अधिक एक सप्ताह में सुधारने का काम बिजली विभाग करे और जनता को राहत दिलाए।

सुबोध हरितवाल ने बताया कि विगत कुछ दिनों से लगातार रामनगर और गुढियारी क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती की समस्या आम हो चुकी है, जिसके बहुत से कारण हैं। विभाग को उनमें कार्य करने की आवश्यकता है। पिछले माह भी हमने जनता के साथ मिलकर अपनी शिकायतें रखी थी परन्तु विभाग की ओर से अभी तक उसमें कोई ठोस कदम नहीं दिखाई देता। उन्होंने कहा, पिछले दिनों थोड़ी सी हवा चलने और पानी गिरने मात्र से पूरे रामनगर और गुढियारी क्षेत्र के लोगों को बिजली के लिए रात भर परेशान होना पड़ा। बिजली विभाग के कर्मचारी फोन तक उठाने को तैयार नहीं थे।

चीफ इंजीनियर को दी चेतावनी, 1 सप्ताह में व्यवस्था में करें सुधार- हरितवाल

ये थे मौजूद

प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सुधा सरोज, रमाकांत शर्मा, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष संपत ठाकुर, शहर महामंत्री सतीश विक्की साहू, पूर्व पार्षद सुंदर जोगी, वारेन साहू, जितेंद्र साहू, कुंदन सिन्हा, संतोष साहू, रशीद शेख, तोरण साहू, बल्ली भैया, रानी वर्मा, कन्हैया शर्मा, अक्षय बागड़े, अशोक शर्मा, सुधांशु तिवारी, ईश्वरी नामदेव, दीपेंद्र ठाकुर, मोहनलाल सेन, गौर सिंह, काजल किरण, राकेश यादव, संजय साहू, नितिन केशकर, पुष्पेंद्र यादव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

स्टाफ की कमी से नहीं हो रहे सुधार

उन्होंने बताया कि यहां पर 11 केवी का मेंटेनेंस नहीं होने के वजह से ट्रांसफार्मर में लोड बढ़ रहा है और बिजली गुल होने की समस्या हो रही है। स्टाफ की कमी और मुस्तैदी ना होने की वजह से समय लग रहा है इस सुधारने में, अतः इस व्यवस्था को सुधरा जाए। ट्रांसफार्मर में लगने वाला डियो और फ्यूज लगातार खराब होने के वजह से बिजली गुल हो रही है। जर्जर ट्रांसफार्मर, ऑयल चेंज और मेंटेनेंस की समस्या। कॉल सेंटर के कर्मचारी फोन उठा कर साइड में रख देते हैं। जनता का कॉल उठाकर जवाब देना उचित नहीं समझते। ऐसे कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा, मांग पूरी ना होने पर उग्र आंदोलन हेतु बाध्य होंगे।

डीके अस्पताल में खड़ी कार में लगी आग

रायपुर। डीके अस्पताल की पार्किंग में खड़ी चिकित्सक की कार में अचानक आग लग गई है। दोपहर हुई इस घटना के दौरान अस्पताल परिसर में सुरक्षा गार्ड के साथ अनेक लोग मौजूद थे। आग पर जब तक काबू पाया जाता ड्राइविंग सीट का अगला हिस्सा बुरी तरह जल चुका था। घटना के दौरान पार्किंग में अन्य चिकित्सकों की कार भी खड़ी थी जिसे आनन-फानन हटाया गया। अस्पताल में पदस्थ डा. नितिन की कार में आग कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।घटना को लेकर कुछ देर के लिए सनसनी फैल गई थी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

शासकीय विद्यालयों में दाखिले 30 जून तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में दाखिले के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में छात्रों को 30 जून तक प्रवेश दिए जाएंगे। प्रवेश संबंधित प्रक्रिया 20 मई से प्रारंभ हो जाएगी। सर्वप्रथम स्कूलों को केचमेंट क्षेत्र का निर्धारण करना होगा। केचमेंट क्षेत्र का आशय उन क्षेत्रों से है, जो स्कूलों के आस-पास स्थित हैं तथा जहां के विद्यार्थियों की स्कूल में आने की संभावना अधिक है। समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को इसे प्रेषित करते हुए अन्य दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। आदेश में यह सुनिश्चित करने कहा गया है कि प्रवेश प्रक्रिया यथासमय पूर्ण हो। ड्रॉपआउट विद्यार्थी या अन्य विद्यार्थी जिसने किसी कारणवश प्रवेश नहीं लिया है, उन्हें भी प्रवेश से वंचित ना रखने कहा गया है।

ऐसा है शेड्यूल

- 6वीं व 9वीं के लिए कैचमेंट क्षेत्र का निर्धारण - 20 मई तक
- पहली कक्षा के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से सूची प्राप्त करना - 20 मई तक
- 5वीं के विद्यार्थियों की सूची पूर्व माध्यमिक प्रधान पाठक को सौंपना - 20 मई तक
- 8वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची कैचमेंट क्षेत्र के प्राचार्य को सौंपा जाना - 20 मई तक
- विद्यार्थियों की एडमिशन सूची जारी करना -16 जून तक
- शेष एडमिशन पूर्ण करना - 30 जून तक
- अध्यापन समय सारिणी संस्था प्रमुख द्वारा जारी करना -16 जून तक

निजी स्कूलों में जारी है प्रवेश

उधर, प्रदेश के निजी स्कूलों में प्रवेश जारी है। आरटीई राशि को चल रहे विवाद के बीच निजी स्कूलों ने गरीब छात्रों के लिए दाखिले प्रारंभ कर दिए हैं। प्रथम चरण की लॉटरी में जिन 14 हजार विद्यार्थियों के नाम आए थे, उन्हें प्रवेश दिया जा रहा है। शेष 8 हजार सीटों के लिए लॉटरी 8 जून को निकाली जाएगी। इसके बाद शेष सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

छग के 391 हजयात्री मुंबई से हज के लिए हुए रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हज-2026 के लिए मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय विमानतल से अब तक छत्तीसगढ़ राज्य के 391 हज यात्री हज-ए-बैतुल्लाह के लिए रवाना हो चुके हैं। हाजियों के मुंबई से प्रस्थान के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा हज हाउस में हाजियों की रिपोर्टिंग कराई गई एवं हजयात्रा के आवश्यक दस्तावेजों का वितरण हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग द्वारा किया गया। कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग एवं सदस्य मौलाना अमीर बेग, मौलाना महताब, गुलाम रहमान खान ने हज हाऊस से विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया। एयरपोर्ट पर भी हज हाऊस यात्रियों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई, जिससे हज यात्रियों का प्रस्थान सुगमता पूर्वक संपन्न हुआ। एंबारकेशन प्वाइंट से राज्य के हज यात्रियों का सुगमता पूर्वक प्रस्थान, समस्त व्यवस्थाओं का संपादन छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन के दिशा-निर्देशों व मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया।

02
बॉलीवुड से एक्शन सीक्वेंस सीखकर ....

एजुकेशन अलर्ट

इंडियन आर्मी में टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की भर्ती शुरू, 11 जून तक आवेदन का मौका

रायपुर। इंडियन आर्मी की ओर से टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जारी अधिसूचना के मुताबिक टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स के जरिये कुल 144 उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। जो उम्मीदवार इंडियन आर्मी में शामिल होकर अपने सपना को पूरा करना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों के लिए यह एक सुनहरा मौका है। इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर 11 जून, 2026 तक अप्लाई कर सकते हैं। सभी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे तय समय के भीतर आवेदन अवश्य कर लें, अन्यथा बाद में उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया जाएगा।

अधिकतम आयु 27 वर्ष निर्धारित

आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 27 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके साथ ही उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 जनवरी, 2027 के आधार पर की जाएगी। टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स के लिए चयनित किए गए उम्मीदवारों को स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा। योग्य उम्मीदवारों को प्रतिमाह 56,400 रुपये का स्टाइपेंड दिया जाएगा। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कंप्यूटर साइंस में बीई, बीटेक या एमएससी किया हो।

कैसे करें टीजीसी कोर्स के लिए अप्लाई

इंडियन आर्मी में टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। उम्मीदवार यहां बताए गए निम्नलिखित स्टेप्स की मदद से अपना फॉर्म भर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट **www.joinindianarmy.nic.in** पर जाकर विजिट करें। अब वेबसाइट के होमपेज पर '**Apply Online**' सेक्शन पर क्लिक करें। इसके बाद मांगी गई सभी डिटेल जैसे अपना नाम, शैक्षणिक योग्यता आदि की जानकारी को दर्ज करें। फॉर्म भरने के बाद जरूरी दस्तावेजों की स्कैन कॉपी को अपलोड करें। अंत में इसका एक प्रिंटआउट भी निकाल लें।

नर्सरियों में खिले 14 तरह के फूल, गार्डनिंग के शौकीनों के बीच अमरूद और विदेशी बोनसाई की भारी डिमांड

हरियाली की तैयारी : मानसून में लहलहाएंगे एक लाख से अधिक पौधे, दुर्लभ विदेशी किस्मों के लिए अब कोलकाता पर निर्भरता खत्म

मानसून से पहले ही नर्सरी में हरियाली छाने लगी है। पौधों के शौकीनों के लिए शहर की नर्सरी में इस बार दुर्लभ किस्म के विदेशी पौधे तैयार किए जा रहे हैं, जिसकी कीमत भी हजारों में है। आमतौर पर विदेशी पौधे कोलकाता से मंगाए जाते थे, लेकिन इस बार इन्हें नर्सरी में विशेष खाद और उर्वरक के साथ तैयार किया जा रहा है। दूसरे राज्यों से मानसून के लिए नर्सरी में फिंगर फर्न, माउल्स, व्हाइट जामुन, ग्रास की किस्में विशेष रूप से मंगाई गई हैं।

रायपुर। विशेष किस्म वाले पौधे फिकस बोनसाई की डिमांड ज्यादा है। शौकीन ग्राहकों की भीड़ भी नर्सरी में होनी शुरू हो गई है। पौधों के शौकीनों का कहना है कि यह बरसात के समय में ज्यादा लगाए जाने वाले पौधों में एक है। यह आसानी से लग जाता है और हरियाली के सथ खुशबू भी बिखेरता है। हरिभूमि ने शहर के कई नर्सरी संचालकों से बातचीत की। प्रत्येक नर्सरी में 5 से 10 हजार तक देशी और विदेशी पौधे तैयार किए जा रहे हैं। ऐसे में 1 लाख से अधिक पौधे मानसून में हरियाली बिखेरेंगे। वन विभाग ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। फलदार पौधे वितरण करने के लिए तैयार किए जा रहे हैं।

अमरूद के पौधों की सर्वाधिक बिक्री

गार्डनिंग करने के लिए बारिश का मौसम उपयुक्त होता है। ऐसे में लोगों ने अभी से घर में सब्जी व फल लगाने के लिए पौधे लेने शुरू कर दिए हैं। मठपारा स्थित नर्सरी के संचालक ने बताया, छायादार पौधों में नीम, पीपल, बरगद, अशोक, शीशम के अलावा फलदार पौधों में अमरूद, आम, केला, नींबू, जामुन, शहतूत, चीकू आदि के पौधों की मांग लगातार बढ़ रही है। इनके अलावा मौसमी सब्जियों, फूलदार पौधों में गुलाब, कमल, गेंदा, सूरजमुखी समेत अनेक किस्म के पौधों की मांग है। जून और जुलाई माह में फूलों के नए पौधे मिलेंगे। बीते दिनों हुई बारिश के बाद लोग खरीदारी करने पहुंच रहे हैं।

साइकस और आडेनियम सबसे महंगे पौधे

नर्सरी में इस बार भी सबसे महंगे पौधों की लिस्ट में बोनसाइज और अडेनियम पहले नंबर पर हैं। मठपारा स्थित नर्सरी के महेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि बोनसाई पौधे 25 हजार तो वहीं अडेनियम 10000 तक मिलेंगे। इन विदेशी पौधों को मार्च से तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा साइकस के पौधे, जिसे कोलकाता और ओडिशा से मंगाया जाता था, इसे नर्सरी में ही तैयार कर रहे हैं। साइकस का पौधा एक हजार से 10 हजार तक में मिलेगा। इसकी खास बात यह है कि वर्ष में एक बार इसमें नई पत्तियां आती हैं। इसलिए इसका बड़ा तना लोगों का ध्यान खींचता है। इन पौधों के लिए गोबर की खाद बनाई जा रही है। पौधे की कीमत उसकी उम्र के साथ बढ़ती है।

समाजसेवी संस्थाओं के मिलने लगे ऑर्डर

बारिश में पौधारोपण करने समाजसेवी संस्थाओं ने पौधारोपण करने नर्सरी संचालकों को 100 से अधिक पौधे तैयार करने का ऑर्डर दिया है। वीआईपी रोड स्थित नर्सरी के संचालक मयंक कश्यप ने बताया, बरसात को लेकर घरों में गार्डनिंग व वृक्षारोपण करने के लिए अलग-अलग पौधे तैयार किए हैं। गुलमोहर, शीशम, नीम, शहतूत, जामुन, रातरानी के पौधे 2 हजार से अधिक तैयार किए जा रहे हैं। कुछ पौधों के बीज दूसरे राज्यों से मंगाए हैं। इस बार विदेशी पौधे 50 से 80 रुपए तक महंगे मिल सकते हैं, बाकी देसी पौधों की 50 से 100 रुपए के बीच कीमत रहेगी।

14 प्रकार के फूलों के पौधे

बारिश में सबसे अधिक फूलों के पौधों की बिक्री होती है। वीआईपी रोड स्थित नर्सरी संचालक हेमंत तिवारी ने बताया, बारिश के लिए 14 प्रकार के फूल तैयार किए जा रहे हैं, जिसमें लाल गुलाब, सफेद गुलाब, कॉसमोस, कॉक्सकॉम्ब मेरीगोल्ड, बालसम, मीराविलिस, पोर्चुलाका, एमेरेंथस, रूडबेकिया, सूरजमुखी, टियोनिया, टेरीनिया, जीनिया, गोम्फ्रेना शामिल है। नर्सरी में इनमें से प्रत्येक वैरायटी के 200 तक पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इसकी कीमत पौधों की ऊंचाई के अनुसार होगी। छोटे पौधे 150 से 1 हजार तक मिलेंगे। इस बार पौधों के साथ खाद भी दी जाएगी, ताकि विदेशी पौधों को बढ़ाने में मदद मिल सके। ज्यादातर विदेशी पौधे खाद और उर्वरक नहीं मिलने से खत्म हो जाते हैं।

सिटी इवेंट

विद्यार्थियों ने लोहे की जंग और कोलड्रिंक-मेंटोस रिएक्शन को रासायनिक प्रयोग करके समझा

रायपुर। साइंस सेंटर में समर साइंस कैंप फिजिक्स एंड केमिस्ट्री फन फैक्ट्री का आयोजन किया गया है। यह दो दिवसीय कैंप मंगलवार को प्रारंभ हुआ, जो 20 मई तक चलेगा। कैंप के प्रथम दिवस में विद्यार्थियों ने रसायन विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को गतिविधि-आधारित प्रयोगों एवं रोचक प्रदर्शन के माध्यम से सरल एवं मनोरंजक तरीके से समझाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं प्रयोग करते हुए विज्ञान की अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप में समझने का अनुभव प्राप्त किया। पहले दिन कैंप में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। कैंप में आयोजित प्रमुख प्रयोगों में लोहे में जंग लगने की प्रक्रिया, साबुनीकरण, क्रिस्टलीकरण, इलेक्ट्रोलाइसिस, न्यूट्रलाइजेशन रिएक्शन, आयोडीन, साबुन एवं नीबू की सहायता से टाइट्रेशन प्रयोग, सतही तनाव आधारित मिल्क आर्ट गतिविधि, स्नेक क्रैकर

प्रयोग, कोल्ड्रिंक एवं मॅटोस रिएक्शन तथा क्रोमैटोग्राफी तकनीक द्वारा सफेद फूल को हरे रंग के घोल में रंग परिवर्तन जैसे आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रयोग शामिल रहे। कार्यक्रम समन्वयक प्रज्ञा कदम ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच एवं नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय समर साइंस कैंप फिजिक्स एंड केमिस्ट्री फन फैक्ट्री का आयोजन किया गया है। इसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया है और साइंस के रोचक प्रयोग को स्वंय कर जान रहे हैं।

रोज रासायनिक प्रयोग जान हो रहे उत्साहित

विद्यार्थियों ने इन प्रयोगों के माध्यम से रासायनिक अभिक्रियाओं, अम्ल एवं क्षार की क्रिया, रंग परिवर्तन, सतही तनाव, गैस निर्माण, पदार्थों के पृथक्करण एवं विद्युत रासायनिक प्रक्रियाओं जैसे वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रत्यक्ष रूप से समझा। विशेष रूप से कोलड्रिंक एवं मेंटोस प्रयोग तथा मिल्क आर्ट गतिविधि ने विद्यार्थियों में अत्यधिक उत्साह उत्पन्न किया।

न्यूटन के गति और प्रकाश परावर्तन समझेंगे आज

कैंप के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों को भौतिकी के विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित रोचक प्रयोगों एवं गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा, जिनमें न्यूटन के गति नियम, प्रकाश एवं परावर्तन, दाब एवं निर्वात, चुंबकत्व, विद्युत परिपथ, स्थैतिक विद्युत तथा ध्वनि एवं कंपन से संबंधित प्रयोग शामिल रहेंगे। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर द्वारा आयोजित इस प्रकार के समर साइंस कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर उसे प्रयोगों एवं गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक रूप में सीखने के लिए प्रेरित करना है।

आकार-2026 : ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण शिविर का 25 मई से आगाज

रायपुर। शहर के कला साधकों के लिए पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर आकार-2026 का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में 25 मई से शुरू होगा। इसकी तैयारी संस्कृति विभाग द्वारा शुरू कर दी गई है। संस्कृति विभाग के मुताबिक, विभाग द्वारा पारंपरिक शिल्प कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, जागरूकता तथा रुचि जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'आकार-2026' पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर 25 मई से प्रारंभ होगा, जो अधिकतम 15 दिनों तक संचालित होगा। यह शिविर दो पाली में सुबह 7 से 10 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 8 बजे तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में आयोजित होगा।

प्रतिभाओं को निखारने मिलेगा मंच

आकार प्रशिक्षण शिविर संबंधित विधाओं, कलागुरुओं और अभ्यर्थियों के आवेदन को लेकर विभाग की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसके लिए पूरी व्यवस्था को लेकर अंतिम रूपरेखा तैयार की जा रही है। यह शासन स्तर पर ग्रीष्मकालीन स्कूली अवकाश में स्कूली बच्चों सहित कॉलेज के छात्र-छात्राएं, युवा एवं बुजुर्ग हर वर्ग के कला साधकों के लिए प्रतिभा को निखारने बड़ा मंच मिलेगा। शिविर के दौरान प्रशिक्षण पश्चात प्रशिक्षुओं द्वारा निर्मित कलाओं को समापन दिवस के अवसर पर परिसर में प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

आकार-2026 प्रशिक्षण शिविर में इच्छुक प्रशिक्षु को फाईन आर्ट, नाटक, स्केचिंग, कैनवास पेंटिंग, जूट शिल्प, मेहंदी आर्ट, गोदना आर्ट, छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी एवं ट्रॉयबल वुडन आर्ट, भरथरी गाथा, नाचा एवं लोक नृत्य-गीत, आदिवासी नृत्य एवं गीत, सेंड आर्ट, धान ज्वेलरी एवं ड्राई फ्लावर, ढोकरा शिल्प, वाद्ययंत्र प्रशिक्षण एवं मेकिंग, टेराकोटा एवं छत्तीसगढ़ी व्यंजन आदि विधाओं में ख्याति प्राप्त पारंगत कला गुरूओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सिंगिंग कम्पीटिशन आगाज 4.0 में श्रुति सेकेण्ड रनरअप

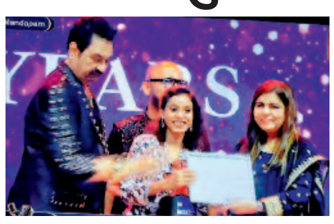

रायपुर। आगाज 4.0 जीतो नॉर्थ दिल्ली द्वारा आयोजित सिंगिंग कंपीटिशन में स्वर सप्तक की सदस्य और सिंगर श्रुति संघी ने सेकेण्ड रनरअप के रूप में अपना स्थान बनाकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। इस कम्पीटिशन में देश के 15 शहरों से 3000 प्रतिभागियों ने ऑडिशन दिया था। उनमें से केवल 36 को चयनित किया गया। चयन के उपरांत सभी की मास्टर क्लास टी-सीरीज के संगीतकारों के माध्यम से दिल्ली में आयोजित की गई। स्वर सप्तक संस्था के अध्यक्ष उदय दास और श्रुति के पिता शैलेंद्र संघी ने बताया कि संस्था की सदस्य के रूप में ही नहीं, बल्कि प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली श्रुति संघी ने भी बताया कि कुछ मिनटों में ही अपनी गायकी की छाप छोड़ने में सफल रहीं।

चर्चित कलाकारों ने उभरते फनकारों का किया चयन

टी-सीरीज स्टूडियो दिल्ली में दिवाकर शर्मा जैसे कलाकारों ने सेमीफाइनल में 36 में से 18 प्रतिभागियों का चयन किया, जिनमें 16 से 30 आयुवर्ग में केवल 10 सिंगर्स का चयन किया गया है। इस प्रोग्राम के फाइनल राउंड का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम के विशाल ऑडिटोरियम में किया गया, जहां बतौर जज देश के प्रसिद्ध गायक कुमार सानू, साधना सरगम, तुलसी कुमार और मेंटर संजय विद्यार्थी ने श्रुति संघी की गायकी को बहुत ज्यादा सराहा। उन्होंने संगीत जगत में उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। इस प्रोग्राम का मंच संचालन बागवान फिल्म के कलाकार अमन वर्मा ने किया। आयोजन में गीत-संगीत में रुचि रखने वाले प्रतिभागी शामिल हुए।

आईपीएल की तर्ज पर रायपुर में सीसीपीएल का रोमांच, जर्सी और ट्रॉफी की हुई शानदार लॉन्चिंग

छत्तीसगढ़ क्रिकेट का महाकुंभ, 6 टीमें, 12 दिन और खिताब की जंग, 3 जून से रायपुर में सीसीपीएल का तीसरा सीजन

कार्नर न्यूज

रायपुर। इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर एक बार फिर छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित इस लीग का यह तीसरा सीजन है, जो 3 जून से 14 जून तक राजधानी रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मंगलवार को समारोह में इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी और सभी 6 टीमों की जर्सी की शानदार लॉन्चिंग की गई। इस अवसर पर सीएससीएस के अधिकारियों के साथ-साथ पूर्व और वर्तमान क्रिकेट हस्तियों ने शिरकत की और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जर्सी और ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएससीएस के डायरेक्टर विजय शाह ने कहा कि सीसीपीएल आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के होनहार खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि बीते सीजन के शानदार प्रदर्शन के बाद हमारे कई खिलाड़ियों को आईपीएलमें भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। संघ का प्रयास है कि हर सीजन के साथ सीसीपीएल के स्तर को और ऊंचा उठाया जाए।

टेस्ट क्रिकेट है खेल की रीढ़

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान ने खिलाड़ियों में जोश भरते हुए कहा कि वे सीसीपीएल में अपने प्रदर्शन को निखारकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय करें। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे 'टेस्ट क्रिकेट' को महत्व दें, क्योंकि वही इस खेल की असली रीढ़ है। श्री चौहान ने छत्तीसगढ़ की टीम के मुख्य कोच और पूर्व क्रिकेटर अमय खुरसिया की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

क्रिकेट के नक्शे पर तेजी से उभर रहा है छत्तीसगढ़

सीएससीएस के डायरेक्टर बलदेव सिंह भाटिया ने रायपुर में हाल ही में सफलतापूर्वक आयोजित हुए अंतर्राष्ट्रीय और आईपीएल मैचों के लिए संघ की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का नाम अब क्रिकेट के मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। वहीं, सीसीपीएल के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद शंकर शर्मा ने कहा कि महज दो-तीन सालों में ही सीसीपीएल का स्तर काफी ऊंचा हुआ है, जिससे भविष्य में प्रदेश का नाम और रोशन होगा। कार्यक्रम में सीएससीएस के अध्यक्ष मोहन दास, सचिव वेंटिश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुमित गुप्ता, मुकुल तिवारी, अजय तिवारी और गुरुचरण सिंह माखीजा सहित कई पदाधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित थे।

ये हैं सीसीपीएल की 6 टीमें और उनके कप्तान

रायपुर राइनोजः कप्तान - अमनदीप खरे
बिलासपुर बुल्सः कप्तान - आयुष पांडेय
सरगुजा टाइगर्सः कप्तान - आशुतोष सिंह
राजनांदगांव पैंथर्सः कप्तान - अजय मंडल
रायगढ़ लायंसः कप्तान - ऋषभ तिवारी
बस्तर बाइसंसः कप्तान - अनुज तिवारी

सिटी लाइव

इंडिया एआई मिशन से अनुसंधान, व्यावहारिक नवाचार एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में होगी क्रांति

रायपुर। एनआईटी और ट्रिपल आईटी ने गुवाहाटी में इंडियाएआई मिशन के राष्ट्रीय एआई सीओई परामर्श में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। दोनों संस्थानों के प्रतिनिधिमंडल ने इंडिया एआई मिशन के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र पर हितधारक परामर्श कार्यशाला में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इंडियाएआई तथा असम सरकार के साथ साझेदारी में आयोजित इस कार्यशाला में चार राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं त्रिपुरा के प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित हुए, जिसका उद्देश्य राज्य-स्तरीय एआई उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना हेतु रूपरेखा निर्धारित करना था। एआई सीओई कार्यक्रम 10,372 करोड़ के इंडियाएआई मिशन का एक प्रमुख स्तंभ है, जिसका लक्ष्य देश भर में विश्वस्तरीय एआई अनुसंधान, व्यावहारिक नवाचार एवं स्टार्टअप-आधारित व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि एआई के लाभ प्रत्येक राज्य तक पहुंचें।

स्टार्टअप इनक्यूबेशन को मिलेगा बढ़ावा

आयोजन में डॉ. अनुज कुमार शुक्ला एवं पवन कटारिया ने एआई सीओई हेतु छत्तीसगढ़ के दृष्टिकोण, इसके प्रस्तावित स्तंभों अनुसंधान, प्रतिभा विकास, उद्योग साझेदारी एवं स्टार्टअप इनक्यूबेशन के साथ-साथ स्थल तत्परता, प्रयोगशाला अवसंरचना, अभिशासन एवं परिणाम केपीआई हेतु तिमाही-वार मील के पत्थरों से युक्त एक विस्तृत बारह-मासिक रूपरेखा प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए, एनआईटी रायपुर के प्रतिनिधिमंडल में डॉ. अनुज कुमार शुक्ला, संकाय प्रभारी, एनआईटी रायपुर एफआईई एवं पवन कटारिया अधिकारी प्रभारी एनआईटी रायपुर एफआईई शामिल रहे। आईआईआईटी नया रायपुर से प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ. ओपी व्यास, निदेशक आईआईआईटी ने किया, जिनके साथ डॉ. अमित कुमार अग्रवाल एसोसिएट प्रोफेसर उपस्थित रहे।

● तकनीकी रूप से मजबूत हो रही फाइट सीक्वेंस की शूटिंग, दूसरी इंडस्ट्री की नायिकाएं भी छॉलीवुड का हिस्सा

बॉलीवुड से एक्शन सीक्वेंस सीखकर फाइट मास्टर निखार रहे छॉलीवुड, तेलुगु-तमिल फिल्मों से एक्ट्रेस की एंट्री भी

'समय के साथ अब छॉलीवुड भी तकनीकी रूप से मजबूत होने लगा है। कुछ साल पहले तक फिल्मों में एक्शन शूट के लिए बाहर से फाइट मास्टर बुलाने की स्थिति बनती थी, लेकिन अब छॉलीवुड तकनीकी रूप से बेहतर हो रहा है। बॉलीवुड में स्टंट शूट के लिए सुर्खियों में रहने वाले वीरू देवगन से एक्शन शूट की बारीकियां सीखने के बाद बीरबल और साउथ की फिल्मों से पारंगत होने के बाद फाइट मास्टर छॉलीवुड को निखार रहे हैं। अब तेलुगु-तमिल, बांग्ला फिल्म इंडस्ट्री की नायिकाओं की एंट्री भी होने लगी है।'

रायपुर। छॉलीवुड की फिल्मों में एक्शन शूट के लिए डायनामिक फूटेज और सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त इंतजाम किए जाते हैं। निर्माता- निर्देशक पुनीत सोनकर ने बताया कि कुछ साल पहले तक एक्शन शूट के लिए बाहर से फाइट मास्टर बुलाने की स्थिति बनती थी। अब स्थानीय युवाओं का लगाव इस फील्ड में बढ़ने से तकनीकी रूप से बेहतर प्रयोग भी होने लगे हैं। एक्शन शूट के लिए सही कैमरा, स्टेबल सपोर्ट टूल्स, ऑडियो रिकॉर्डिंग गियर, सेफ्टी हार्नेस और पैड्स का उपयोग जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि अब लगभग सभी फिल्मों की शूटिंग छत्तीसगढ़ी संस्कृति से जोड़ते हुए दिखाने का प्रयास किया जाता है। इसलिए भी एक्शन शूट के लिए प्रयोग किए जाते हैं। अभी विक्की सिंह राजपूत उर्फ टारजन की टीम एक्टिव है। जो छॉलीवुड और बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम करती है। संजू यादव भी साउथ इंडस्ट्री से फाइट मास्टर के रूप में काम करने के बाद छॉलीवुड को बेहतर तकनीक से जोड़ रहे हैं।

इन संसाधनों की मदद से एक्शन सीक्वेंस शूट

दिव्यांश सिंह ने बताया कि फिल्म निर्माण से जुड़ने के बाद इंडस्ट्री में कई तरह के बदलाव हुए हैं। अब हाई क्वालिटी कैमरे और लेंस के साथ ही एक्शन सीक्वेंस को शूट करने के लिए एक्शन कैमरे का प्रयोग भी करते हैं। फास्ट लेंस और मेमोरी के जरिए किसी फिल्म के एक्शन सीक्वेंस को तैयार करते है। दो-दो मिनट के तीन से चार फाइट सीन के लिए कई दिनों तक टीम को पसीना बहाना पड़ता है। फाइट मास्टर के रूप में काम करने को लेकर युवाओं का रुझान भी बढ़ रहा है। इससे बाहर से एक्शन एक्सपर्ट की टीम लाने पर होने वाला खर्च भी कम हुआ है। क्रेन, ट्राली सहित दूसरी जरूरी संसाधन जुटाने की चुनौती भी कम हो गई है।

हर मूवी में एक्शन को रोमांचक बनाने प्रयोग जारी

फाइट मास्टर बीरबल पाणीग्रही ने बताया कि बॉलीवुड में स्टंट किंग कहे जाने वाले वीरू देवगन के साथ 100 से भी अधिक बॉलीवुड फिल्मों में फाइटर के रूप में काम करने के बाद एक्शन सीक्वेंस शूट करना सीखा। करीब 20 साल से छॉलीवुड इंडस्ट्री में रोमांचक तकनीक के जरिए कला को बेहतर करने का प्रयास कर रहा हूं। इस फील्ड में युवाओं का लगाव भी बढ़ रहा है। बेहतरीन एक्शन सीन बनाने के लिए, अलग-अलग एंगल जैसे लो-एंगल से हीरो को बड़ा दिखाना, क्लोज-अप शॉट्स, और सुरक्षा को ध्यान रखते हुए छोटे-छोटे हिस्सों में कट्स की शूटिंग करते हैं।

दूसरी इंडस्ट्री की एक्ट्रेस भी तय करती हैं शेड्यूल

फिल्म निर्माण से जुड़े दिव्यांश सिंह ने बताया कि राया डिंगोरिया, एलषा घोष जैसी नायिकाओं ने भी कई छत्तीसगढ़ी फिल्मों में काम किया। इनमें दंतेला, खारुन पार जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन नायिकाओं का क्रेज तेलुगु, तमिल, बांग्ला फिल्मों में कायम होने के बाद भी छॉलीवुड की फिल्मों के प्रति उनका लगाव है। फिल्म ऑफर करने पर वे शूट के लिए शेड्यूल तय करती हैं। यहां की शूटिंग पूरी करने के बाद वापस अपनी इंडस्ट्री में भी काम करती हैं। कुछ साल पहले तक दूसरी इंडस्ट्री की एक्ट्रेस छॉलीवुड मूवी में काम करने से बचती थीं। तकनीकी रूप से दक्षता के चलते अब वे भी काम करने में रुचि लेने लगी हैं।

समाज लाइव

महिलाओं ने राहगीरों को राहत देने बांटा मठा

रायुपर। महाराष्ट्र मंडल के चौबे कॉलोनी महिला केंद्र ने मंगलवार को चिंताहरण हनुमान मंदिर के पास भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए राहगीरों को मठा वितरित किया। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद वार्ड के पार्षद आनंद अग्रवाल विशेष रूप से शामिल हुए। साथ ही उन्होंने लोगों को मठा वितरित करने में अहम योगदान दिया और मंडल के सेवाभावी कार्यों के लिए सराहना की। केंद्र की संयोजिका अक्षता पंडित ने बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी स्वामी आत्मानंद वार्ड के पार्षद आनंद अग्रवाल के विशेष आतिथ्य में भी सैकड़ों राहगीरों को मठा वितरित किया गया। इसकी शुरुआत हनुमान चालीसा पाठ से की गई। इसके चलते आस्था के साथ सेवाभावना से सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सुबह 10 बजे शुरू मठा वितरण

राहगीरों के बीच सेवाभावना से जुड़ी केंद्र की महिलाएं सफेद ड्रेस कोड में आयोजन का हिस्सा बनी। साथ ही सुबह 10 बजे से मठा बांटना शुरू किया। इस बीच मार्ग से आने-जाने वाहन चालकों सहित पथिकों को भी मठा का वितरण किया। जो कई घंटे तक चलता रहा। इसमें महाराष्ट्र मंडल की महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले, अपर्णा कालेले, स्वाती डबली, गौरी क्षीरसागर, संगीता निमोणकर, अनुपमा बोधनकर, मनीषा वरवंडकर, रोहिणी नेने ने व्यवस्था की बागडोर संभाली। आरुषि डबली, प्रकाश गुरव, नानक सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एशियन व्यंजन बनाने-पकाने का हुनर सिखाने रोटरियंस की वर्कशॉप

रायपुर। युवाओं में एशियन व्यंजनों के प्रति बढ़ते लगाव को देखते हुए रोटरी क्लब रायपुर ऐलिगेंस द्वारा एक निजी रेस्टोरेंट में एशियन गारमेट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस विशेष वर्कशॉप में मेंबर्स को एशियन व्यंजनों की लोकप्रिय डिशेज सुशी एवं डिमसम बनाने और पकाने से जुड़ी रोचक जानकारी देने के साथ ही उन्हें बनाने की विधि प्रशिक्षण के दौरान बताई गई। इसे सीखने में 50 से अधिक मेंबर्स ने उत्साह से भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार की सुशी रोल्स एवं स्वादिष्ट डिमसम तैयार करने की तकनीक सीखी और एशियन फूड की प्रस्तुति एवं स्वाद का आनंद भी लिया। रोटरियन नीतू सिंघानिया ने बताया कि सुशी को नूरी रैप सीट, चावल, खीरा, शिमला मिर्च की मदद से तैयार किया जाता है। इसे बनाने की विधि सभी मेंबर्स को बताई गई।

व्यंजनों की खुशबू से सराबोर रहा आयोजन स्थल

वर्कशॉप के दौरान उत्साह का माहौल बना। इसमें शामिल होने वाली सदस्यों ने व्यंजनों को पकाने की विधि और सामग्री की जानकारी लेने के साथ ही मौके पर बनाने का प्रयास किया। इसके चलते व्यंजनों की खुशबू से आयोजन स्थल सराबोर रहा। जहां महिलाओं में सीखने को लेकर उत्साह था। वहीं एक वर्ग इसे तैयार करने में उपयोग की जाने वाली सामग्री को डायरी में नोट करते हुए सजग नजर आई।

आपसी जुड़ाव और मनोरंजन का मिला अवसर

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन नीरू अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से सदस्यों को नई चीज सीखने को मिलती है। साथ ही आपसी जुड़ाव और मनोरंजन का अवसर भी मिलता है। क्लब की सचिव रोटेरियन तनुश्री अग्रवाल ने वर्कशॉप को सफल बनाने में सहयोगी सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इससे पहले चेयरपर्सन रोटेरियन भूमिका अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों की सहभागिता के लिए सराहना की। इनकी मौजूदगी में चर्चित एशियन व्यंजन डिमसम बनाने की कला सिखाई गई। इसे चावल के आटे की लोई बनाकर किस तरह से तैयार किया जाता है। सभी सदस्यों ने इसे बनाने की कला सीखने में उत्साह दिखाया।

अध्यात्म से निकलकर 'प्रतिस्पर्धात्मक खेल' बना योग, विशेषज्ञों ने परखे योगासन के वैज्ञानिक पहलू

रायपुर। योग अब केवल स्वास्थ्य और अध्यात्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में भी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। योग के इसी बदलते स्वरूप और इससे जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा करने के लिए एम्स रायपुर छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन और 'योगासन भारत' के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। एम्स रायपुर के ऑडिटोरियम में 17 और 18 मई को आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य विषय योगासन स्पोर्ट्सः अवसर एवं चुनौतियां था। इस कार्यक्रम में देशभर से आए चिकित्सा विशेषज्ञ, शोधकर्ता, जाने-माने योग गुरु और 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया। अपने मुख्य उद्बोधन में उन्होंने 'समग्र स्वास्थ्य और आधुनिक चिकित्सा' के समन्वय पर जोर दिया। कार्यक्रम में 'योगासन भारत' के कोषाध्यक्ष रचित कौशिक ने युवाओं को योगासन स्पोर्ट्स में मौजूद शानदार करियर के अवसरों से अवगत कराया। एम्स रायपुर की डीन अकादमिक प्रो. (डॉ.) एली मोहापात्रा ने भी सभा को संबोधित किया, जबकि छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गोस्वामी जयंत विष्णु भारती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इन विशेषज्ञों ने भी रखे अपने विचार

सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में एम्स रायपुर की एसोसिएट डीन रिसर्च प्रो. (डॉ.) एकता खंडेलवाल ने स्वायत्त तंत्रिका तंत्र पर योग के प्रभाव, डीन परीक्षा प्रो. (डॉ.) अविनाश इंगले ने कार्डियो-पल्मोनरी एक्सरसाइज ट्रेनिंग और डॉ. विक्रम पई ने योग में शोध पद्धति पर व्याख्यान दिए। इसके अलावा एस.आर. हिमालयन यूनिवर्सिटी, देहरादून के डॉ. रुद्र भंडारी, पं. रविशंकर शुक्ल विवि के प्रो. डॉ. राजीव चौधरी, योगासन भारत की संयुक्त सचिव आरती पाल और साई एनआईएस पटियाला के हेड कोच डॉ. सी.के. मिश्रा ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

कैंपस लाइव

रेलयात्रा वृत्तांत पर अखिल भारतीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता

रायपुर। रेलकर्मियों सहित जनसाधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव प्राप्त करने व हिंदी के प्रति रुचि उत्पन्न करने और रेलवे की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा रेलयात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत कोई भी भारतीय नागरिक रेल यात्रा से संबंधित संस्मरण रेलयात्रा वृत्तांत विषय पर न्यूनतम 3000 से अधिकतम 3500 शब्दों में एक निबंध टाइप कराकर दो प्रतियों में 31 जुलाई, 2026 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नम्बर 316, काफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110002 पर भेज सकते हैं। इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा प्रथम पुरस्कार 10000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 8000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 6000 रुपए एवं 5 प्रेरणा पुरस्कार प्रत्येक के लिए 4000 रुपए के पुरस्कारों की व्यवस्था रखी गई है।

स्पर्धा में भाग लेने वालों के लिए नियमावली

रेलयात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना में भाग लेने लेने वाले प्रतियोगी को चाहिए कि वे अधिक से अधिक 3000 शब्दों में यात्रा वृत्तांत कागज के एक ओर डबल स्पेस में टाइप, होना चाहिए, दो प्रतियों में होना चाहिए एवं प्रतियोगी का विवरण जैसे:- नाम, पदनाम, आयु, पताः कार्यालय/निवास, मातृभाषा, दूरभाष/मोबाइल, ई-मेल आदि का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो। इस रेलयात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार की सतर्कता, अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है, जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं। उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और न ही वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं।

करियर के अनुरूप कॉलेज की तलाश, एडमिशन प्रक्रियाओं की जानकारी और खरीदारी में लगे

फर्स्ट कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स कैंपस तैयारी में जुटे करियर बिल्डिंग, फ्रेंडशिप और फैशन-स्टाइल पर फोकस

कार्नर न्यूज

रायपुर। नर्सरी से लेकर 12वीं तक यूनिफार्म में डिसिप्लिन के साथ कैंपस में पढ़ाई करने वाले स्टूटेंड्स अब कॉलेज कैंपस में एंट्री करेंगे। ऐसे में फर्स्ट कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स अभी से करियर बिल्डिंग, फ्रेंडशिप और फैशन स्टाइल को लेकर तैयारी में जुट गए हैं। इसके लिए ये स्टूडेंट्स अपने करियर के अनुरूप कॉलेज की तलाश, एडमिशन प्रक्रियाओं की जानकारी जुटाने में लग गए हैं। वहीं कॉलेज कैंपस में बनने वाले नए दोस्तों के साथ कैसे फ्रेंडशिप किया जाए और सबसे खास नए लुक में दिखने फैशन स्टाइल पर फोकस कर रहे हैं। शहर के फर्स्ट टाइम कॉलेज गोइंग गर्ल्स एंड ब्यॉज देश व प्रदेश के टॉप कॉलेज व संस्थानों में प्रवेश पाना चाह रहे हैं, ताकि वहां करियर को बिल्ड करने बेहतर वातावरण में पढ़ाई कर सकें। इतना ही नहीं, अगर उनका एडमिशन उनके मनपसंद कॉलेज व संस्थानों में हो जाता है तो अपने लक्ष्य को हासिल करने में आसानी होगी। स्टूडेंट्स को टॉप कॉलेज व संस्थानों में प्रवेश का फायदा यह भी होगा कि उन्हें फ्रेंडशिप भी अच्छी मिलेगी। ऐसे में कॉलेज कैंपस के हिसाब से फैशन स्टाइल को भी यूनिक व ट्रेंडी रखना होगा। स्टूडेंट्स कॉलेज प्रवेश को लेकर काफी उत्साहित हैं।

अप-टू-डेट दिखने पूरी तैयारी

पुरानी बस्ती स्थित फैशन शोरूम के व्यापारी ने बताया कि मेन्स-वुमन्स वियर दोनों ही शोरूम में मानसून सीजन को लेकर नए वियर्स कलेक्शन आ गए हैं। जिसे लेकर खासकर नवप्रवेशित कॉलेज स्टूडेंट्स अपने दोस्तों के साथ मनपसंद की टॉप डिजाइनर्स के डिजाइन किए गए ड्रेसेस को सलेक्ट कर रहे हैं। ग्राफिक प्रिंटों वाले बैगी जींस, क्रॉप टॉप, जर्सी शर्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। फैशन को लेकर यूं तो हर साल नए छात्रों में ट्रेंड देखने को मिलता है।

शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान

शहर के जाने-माने शिक्षाविद हितेश दीवान का कहना है कि स्टूडेंट्स शहर के प्रमुख कॉलेजों की वेबसाइट्स पर जाकर अपने कोर्स और प्लेसमेंट संबंधी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इनमें इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के लिए स्टूडेंट्स एनआईटी व ट्रिपल आईट, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज और विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्सेज के लिए प्रमुख विश्वविद्यालय में से एक पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, लॉ की पढ़ाई के लिए प्रसिद्ध हिदायतुल्लहा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, मेडिकल की पढ़ाई के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज मेकाहारा स्टूडेंट्स की पहली पसंद में से एक है।

काउंसलर, शिक्षाविदों से लेकर रहें मार्गदर्शन

शहर के जाने-माने शिक्षाविद व करियर काउंसलर वर्षा वरवंडकर का कहना है कि फर्स्ट-ईयर कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए स्मार्ट टिप्सकॉलेज के पहले साल को शानदार और भविष्य के लिए उपयोगी बनाने काउसलिंग के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कॉलेज चयन, कॉलेज लाइफ में समय प्रबंधन में असाइनमेंट, क्लास का समय और सेल्फ-स्टडी को एक प्लानर में व्यवस्थित करने। अपने सीनियर्स और क्लासमेट्स के साथ अच्छे संबंध बनाने। फर्स्ट ईयर से ही अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स, कोडिंग या अपनी फील्ड से जुड़े अन्य सॉफ्ट स्किल्स को लेकर मार्गदर्शन ले रहे हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

आर्ट ऑफ गिविंग ने वॉलीबॉल क्लबों को दिए बॉल और नेट

रायपुर। आर्ट ऑफ गिविंग संस्था ने राज्य के विभिन्न वॉलीबॉल खेल मैदानों एवं क्लबों को बॉल एवं नेट प्रदान किए। यह कार्यक्रम महादेव घाट, रायपुर स्थित श्रीहटकेश्वर नाथ वॉलीबॉल क्लब में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राजेश मूणत, विधायक रायपुर पश्चिम तथा मैट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर गजराज पगारिया थे। उल्लेखनीय है कि आर्ट ऑफ गिविंग संस्था द्वारा यह अभियान पूरे भारतवर्ष में संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत रायपुर में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों एवं क्षेत्रों में वॉलीबॉल खेल गतिविधियों से जुड़े क्लबों एवं समितियों को बॉल एवं नेट वितरित किए गए। आयोजन में मुख्य रूप से हटकेश्वर नाथ वॉलीबॉल क्लब रायपुरा, मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर, साईंनाथ अमलेश्वर, हुडको वॉलीबॉल क्लब दुर्ग, महाराणा प्रताप क्लब सेक्टर भिलाई, मयूर क्लब खम्हरिया, कोनारी क्लब, यूथ स्पोर्ट्स क्लब अभनपुर, कोरिया जिला, बढ़ईपारा, सिमगा, कुथरौद, नवापारा, कसडोल, ओटगन, गरियाबंद, महासमुंद, सिटी स्पोर्ट्स क्लब रायपुर, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, कबीरधाम, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, सूरजपुर, अंबिकापुर, धमतरी, कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा सहित अन्य को बॉल एवं नेट दिए गए। छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में इस आयोजन में सतेन्द्र पाण्डेय (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन), अनवर अली (अध्यक्ष, हटकेश्वर नाथ वॉलीबॉल क्लब), विनोद नायर, मंगलेश्वर सिंह, मार्तण्ड सिंह, जितेन्द्र सिंह, रमाकांत निषाद, नितिन पाण्डेय, गुरमीत सिंह, राजेन्द्र वर्मा, आशुतोष शर्मा, डी.सी.एच. सुरी बाबू, दुर्गा राव, जनक यादव, इरफानुल हयात, अजीत कुटटन, सी.के. वर्मा, प्रांजल दास, राजेश मणी, अनिल सिंह, दुलेन्द्र, गौरंग चौबे, दीपक मौर्य, एम.डी. साहू, विरेन्द्र पटेल, शशांक चौहान, ओम बागी, सुनिधि पाण्डेय, रंजीत मिश्रा और विनोद सिंह सहित वरिष्ठ खिलाड़ियों की उपस्थिति में बॉल एवं नेट का वितरण किया गया। यह जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान ने बताया कि आर्ट ऑफ गिविंग संस्था के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत की पहल हर साल राज्य को बॉल एवं नेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

अंडर-16 यूथ कप में इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी विजेता

भिलाई। क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी करंजा विदाई की ओर से आयोजित अंडर-16 यूथ कप के अंतर्गत मंगलवार को पद्मनापुर क्रिकेट क्लब दुर्ग एवं इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी रायपुर के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी ने तीन विकेट से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच धनंजय बैरागी रहे। इस प्रतियोगिता में बेस्ट बैट्समैन अर्श ,बेस्ट बॉलर वेंकट मोहित, बेस्ट विकेटकीपर ध्रुविक एवं प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी के धनंजय बैरागी रहे। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि टेबल टेनिस के अंतरराष्ट्रीय अंपायर एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय वेटरेनस टेबल टेनिस खिलाड़ी विनोद देवघरे के हाथों पुरस्कृत किया गया। फाइनल मैच में टॉस पद्मनापुर क्रिकेट अकादमी के कप्तान आर्यन मेहताने जीता एवं पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए पदमनाभपुर क्रिकेट क्लब की टीम 106 रन पर आउट हो गई। विकेट कीपर ध्रुविक ने 21 रन, काविश हैदर ने 17 रन और कप्तान आर्यन मेहता ने 12 रन बनाए। गेंदबाजी में इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी के अंशु एवं दिव्यांश राजपाल ने तीन-तीन विकेट लिए। धनंजय बैरागी ने दो विकेट लिए। दो खिलाड़ी रन आउट रहे। बल्लेबाजी में इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी रायपुर ने 7 विकेट पर 108 रन बनाए। धनंजय बैरागी ने नॉट आउट 24 रन, लोकेश सिदार ने 21 रन और अर्श एवं रूद्र देवांगन ने 17-17 रन बनाए। दिव्यांश राजपाल ने नॉट आउट 9 रन बनाए। गेंदबाजी में पदमनाभपुर क्रिकेट क्लब के कप्तान आर्यन मेहता ने चार विकेट, श्रीजन सोनी एवं श्रीहित खोबरागड़े ने एक-एक विकेट लिए। एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। इस फाइनल मैच के अंपायर नुगेश्वर डहरिया एवं आलोक जांगिड़ एवं स्कोरर मोक्ष यादव एवं चैतन्य बागड़े थे।

सॉफ्टबॉल क्रिकेट में मुकाबले जारी

भिलाई। बीएसपी इस्पात क्लब द्वारा आयोजित इस्पात सुपर सॉफ्टबॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में पहला मैच केएनसी सुपरस्टार विरुद्ध लीजेंटा 11 का हुआ। परिणाम में केएनसी सुपरस्टार ने 45 रन से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच रोहित राजपूत रहे। वहीं एच आर 11 विरुद्ध शिवा 11 में परिणाम शिवा 11 को जीत मिली।

अलग-अलग सिरदर्द के होते हैं अलग मायने

हर सिरदर्द नही होता एक जैसा, दूसरी परेशानियों की वजह से भी आपको हो सकती है ऐसी तकलीफ

सिरदर्द एक बेहद आम समस्या है, जिसका अनुभव लगभग हर कोई कभी न कभी करता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि सभी सिरदर्द एक जैसे नहीं होते। असल में, सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं, जिनमें से अधिकतर लोग कुछ ही सीमित प्रकार के सिरदर्द से अक्सर परेशान रहते हैं। आइए इस लेख में उन्हीं प्रमुख प्रकारों और उनसे जुड़ी खास बातों के बारे में जानते हैं।

सिरदर्द एक बेहद आम समस्या है, जिससे लगभग हर कोई कभी न कभी जूझता है। हर सिरदर्द अपने आप में अलग होता है। उसके कारण, लक्षण और गंभीरता अलग-अलग हो सकते हैं, और वे विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों को दर्शाते हैं।

यह समझना जरूरी है कि सभी सिरदर्द एक जैसे नहीं होते। कुछ मामूली होते हैं जो खुद-ब-खुद ठीक हो जाते हैं, जबकि कुछ अन्य गंभीर समस्याओं जैसे माइग्रेन, तनाव या साइनस से जुड़े हो सकते हैं। कई बार तो ये किसी अंदरूनी बीमारी का शुरुआती संकेत भी होते हैं। इसलिए, अगर आपको बार-बार सिरदर्द होता है या उसके साथ अन्य लक्षण जैसे चक्कर आना, उल्टी या नजर में बदलाव महसूस होता है, तो इसे नजरअंदाज न करें, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। बता दें कि सिरदर्द कई प्रकार का होता है। आइए इस

लेख में सिरदर्द के चार प्रमुख प्रकार के बारे में जानते हैं।

टेंशन सिरदर्द

टेंशन सिरदर्द सबसे आम प्रकार है, जो तनाव, थकान, या गलत मुद्रा में देर तक बैठे रहने के कारण होता है। यह सिर के दोनों तरफ या माथे पर हल्का से मध्यम दर्द पैदा करता है, जैसे कोई टाइट बैंड सिर को जकड़ रहा हो। यह तनाव, नींद की कमी, और डिहाइड्रेशन से ट्रिगर हो सकता है। ऐसी स्थिति में गहरी सांस लें, किसी शांत और खुले वातावरण में आराम करें, या पेपरमिंट तेल की मालिश करें। इन उपायों से सिरदर्द में आराम मिल सकता है।

हाइपरटेंशन सिरदर्द

हाई ब्लड प्रेशर के कारण होने वाला सिरदर्द अक्सर सिर के पीछे या पूरे सिर में कंपन जैसा दर्द पैदा करता है। यह सुबह के समय अधिक गंभीर हो सकता है और लेटने से कम हो जाता है। अनियंत्रित उच्च रक्तचाप नाजुक रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है, जिससे यह दर्द होता है। अगर इसके साथ चक्कर, धुंधला दिखना या सीने में दर्द हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। इससे आराम पाने के लिए अपने ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने के उपायों पर काम करें।

माइग्रेन

माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, जिसमें सिर के एक तरफ तेज धड़कता हुआ दर्द होता है। यह 4 से 72 घंटे तक रह सकता है और मतली, उल्टी जैसे लक्षणों के साथ होता है। माइग्रेन को तनाव, हार्मोनल बदलाव, कुछ खाद्य पदार्थ या नींद की कमी ट्रिगर कर सकती है। गंभीर मामलों में डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

साइनस सिरदर्द

साइनस सिरदर्द साइनसाइटिस या मौसमी एलर्जी के

कारण होता है, जब नाक के आसपास की गुहाएं सूज जाती हैं। यह माथे, आंखों और गालों के आसपास दबाव या दर्द का कारण बनता है। साइनस सिरदर्द आम तौर पर सुबह के समय होता है। इसके साथ नाक बंद होना, बुखार या चेहरे में सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं। गंभीर साइनस सिरदर्द में डॉक्टर एंटीबायोटिक्स की सलाह दे सकते हैं।

सेहत के लिए रोज दौड़ना और रस्सी कूदना एक बेहतर कदम

फिटनेस के लिए व्यायाम का महत्व हर कोई जानता है, लेकिन जब बात आती है रोज दौड़ने और रस्सी कूदने में से बेहतर विकल्प चुनने की, तो अक्सर लोग दुविधा में पड़ जाते हैं। आइए जानते हैं कि दोनों में से कौन ज्यादा अच्छा विकल्प है। आज के समय में लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। ऐसे में बहुत से लोग सुबह के समय व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं। रोज व्यायाम करना न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। नियमित व्यायाम शरीर को मजबूत और चुस्त रखने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। यह शरीर के एनर्जी लेवल को भी बढ़ाता है, तनाव कम करता है साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है।

ऐसे में जो लोग सुबह में व्यायाम करते हैं अक्सर उनके मन में सवाल आता है कि रोज सुबह दौड़ना या रस्सी कूदने में कौन सा अधिक फायदेमंद है? तो बता दें कि रोज सुबह दौड़ना और रस्सी कूदना दोनों ही हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट हैं। इन दोनों वर्कआउट के क्या फायदे आपको जानना चाहिए।

दौड़ने के फायदे

दौड़ना एक प्राकृतिक और आसान व्यायाम है, जो बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और तनाव कम करता है। रोजाना 20-30 मिनट की दौड़ से 200-400 कैलोरी बर्न हो सकती है, जो वजन नियंत्रण में भी मदद करती है।दौड़ने से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है, क्योंकि बाहर दौड़ने से प्रकृति के साथ जुड़ाव बढ़ता है। दौड़ने के लिए खुले स्थान की जरूरत होती है, और अच्छी बात यह है कि सुबह के समय में खुले स्थान पर जाने से मन हल्का रहता है।

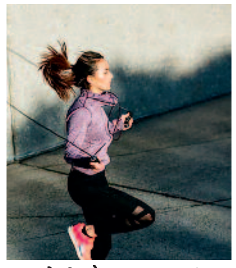

रस्सी कूदने के फायदे

रस्सी कूदना एक हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट है, जो कम समय में अधिक कैलोरी बर्न करता है। 10 मिनट की रस्सी कूदना 100-150 कैलोरी तक बर्न कर सकता है। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर और मजबूत बनाने में मदद करता है। रस्सी कूदना पूरे शरीर की मांसपेशियों, जैसे बाहों, कंधों और पैरों को सक्रिय करता है।

आपके तलवे की बनावट में छिपा है किस्मत का राज, जानें कैसे

ज्योतिष शास्त्र में हाथों और पैरों की लकीरों में भी हमारी किस्मत और भविष्य से जुड़ी कुछ बातें छिपी होती। हैं। आपने अक्सर लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि हाथों की लकीरें आपकी तकदीर बदल सकती हैं, लेकिन सिर्फ हाथ ही नहीं बल्कि आपके तलवे में भी कुछ लकीरें होती हैं जो आपके आने वाले समय और आपकी पर्सनैलिटी का पता चलता है। ज्योतिष में ही एक है समुद्र शास्त्र जिससे आपके आने वाले समय के बारे में जानकारी आपके शरीर के कुछ हिस्सों को देखकर बताई जाती है। इसी में एक होती है फुट रीडिंग यानी कि हाथों के साथ पैरों की रेखाओं से भविष्य बताना।

फुट रीडिंग भारत और चीन में एक प्राचीन अवधारणा है और इसमें एक व्यक्ति को अपने पैर की उंगलियों या अपने तलवों की रेखाओं के बारे में जानकारी लेना शामिल है। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि तलवे अपने पैरों के शीर्ष की तुलना में किसी व्यक्ति के बारे में अधिक बताते हैं और आपके भविष्य की जानकारी भी देते हैं।

क्या कहता है फुट रीडिंग का विज्ञान

यह रिफ्लेक्सोलॉजी का एक विस्तार है और माना जाता है कि यह स्वास्थ्य के मुद्दों, भावनात्मक कल्याण और व्यक्तित्व प्रकार को प्रकट करता है। फुट रीडिंग विशेषज्ञों का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास एक पुरुष और एक महिला के पैर होते हैं, जिसमें दायां एक पुरुष के रूप में कार्य करता है और बाएं एक महिला के रूप में माना जाता है।

पैर की बनावट बताती है स्वभाव

शीतल जी बताती हैं कि आपके पैरों के तलवों से

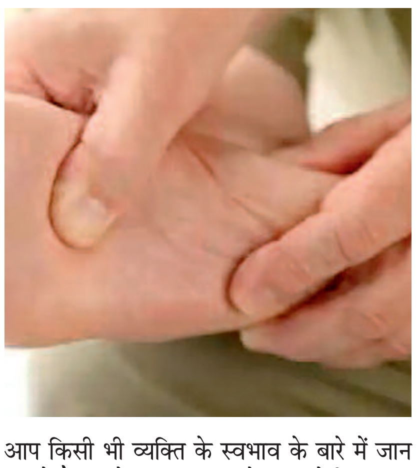

आप किसी भी व्यक्ति के स्वभाव के बारे में जान सकते हैं। इसमें कुछ ख़ास बातें ध्यान देनी चाहिए। आइए जानें क्या हैं वो बातें –

यदि आप अपने तलवे की गद्दी के बीच खड़ी रेखाएं देखते हैं तो आप शायद आत्म-सम्मान में कम महसूस कर सकते हैं। पैरों के तलवे की रेखाएं यदि तिरछी हैं तो ये आपके अनिर्णय को दर्शाती हैं। ऐसे लोग किसी भी बात के लिए दृढ़ नहीं हो पाते हैं और अपने निर्णय लेने में देरी करते हैं।

नैरो हील्स का मतलब है कि आपको ज्यादा सुरक्षा की जरूरत है और आप कई बातों के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। यदि आपके पैर के उत्तर से दक्षिण तक लंबी लाइन है तो आप अपने आप पर बहुत अधिक दबाव डाल रहे हैं। वास्तव में यदि आप किसी चीज़ के बारे में अनिर्णायक हैं या अपने जीवन के किसी पहलू में संघर्ष कर रहे हैं, तो एक फुट रीडिंग आपकी दुविधा को दूर कर सकती है।

गर्मियों में रोज दही और चावल खाने का असर जरूर जानिए

गर्मियों का मौसम आते ही सेहत की बैंड बज जाती है। हर वक्त पसीना, पेट में जलन, गर्मी महसूस होती है। इस मौसम में कुछ कंफर्टेबल फूड्स खाने का मन करता है, यानी खाना हल्का भी हो, पेट भी भर जाए और मजा भी आ जाए। ऐसे में दही और चावल का कॉम्बिनेशन आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है। साउथ में यह भोजन सदियों से खाया जा रहा है और अब धीरे-धीरे देश भर में इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसकी वजह इसकी स्वाद के साथ ही इसके फायदे भी हैं।

बच्चों की है गर्मी की छुट्टियां पर आपकी नहीं, काम और परिवार में संतुलन बनाना आपकी जिम्मेदारी

जहां गर्मी की छुट्टियों में बच्चे अपने माता पिता का ध्यान, परवाह और साथ चाहते हैं तो वहीं काम के साथ बच्चों पर पूरा ध्यान दे पाने के लिए माता पिता को भी काफी प्रयास करने पड़ते हैं। इस लेख में कुछ टिप्स दिए गए हैं जिसे अपनाकर माता पिता बच्चों और काम दोनों को साथ में मैनेज कर सकते हैं।

बच्चों को गर्मी की छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार रहता है। छुट्टियों में उन्हें पूरा आराम और खेलने का मौका मिल जाता है, वहीं माता पिता के लिए खासकर वर्किंग पेरेंट्स की जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है। उनके लिए दफ्तर और परिवार के बीच संतुलन बनाना चुनौती होती है।

जहां गर्मी की छुट्टियों में बच्चे अपने माता पिता का ध्यान, परवाह और साथ चाहते हैं तो वहीं काम के साथ बच्चों पर पूरा ध्यान दे पाने के लिए माता पिता को भी काफी प्रयास करने पड़ते हैं। इस लेख में कुछ टिप्स दिए गए हैं जिसे अपनाकर माता पिता बच्चों और काम दोनों को साथ में मैनेज कर सकते हैं।

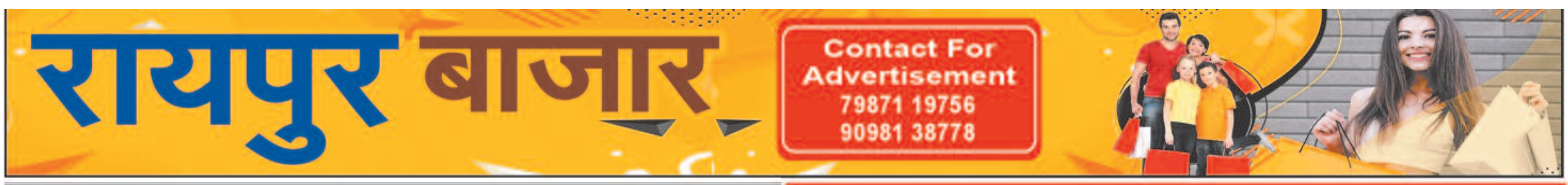

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बारबरा ने दी नए मेहमान के आने की खबर, पति डेलन भी दिखे साथ

बारबरा पेल्विन और डेलन स्प्राउस जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। बारबरा ने कान फिल्म फेस्टिवल 2026 में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया। इस दौरान उनके पति डेलन स्प्राउस भी मौजूद नजर आए। मॉडल बारबरा पेल्विन और उनके पति, अभिनेता डेलन स्प्राउस ने अपनी पहली गर्भावस्था की खुशखबरी का एलान कर दिया है। कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर उन्होंने इसकी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने साशोल मीडिया हैंडल पर भी एक खास पोस्ट शेयर किया है।

गुरुवार को बारबरा और उनके पति डेलन कान 2026 के रेड कार्पेट पर पहुंचे। बारबरा हल्के नीले सैटिन गाउन में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उनके पति डेलन क्लासिक टक्सीडो में हैंडसम दिख रहे थे। दोनों ने बारबरा के बेबी बंप को प्यार से सहलाते हुए तस्वीरें खिंचवाईं। बारबरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेगनेंसी की खुशखबरी शेयर की है। बारबरा ने इस पोस्ट में अपने बच्चे की सोनोग्राफी (अल्ट्रासाउंड) की तस्वीर भी शेयर की है। बारबरा और डेलन को कई सेलेब्स बधाई दे रहे हैं। बारबरा और डेलन की पहली मुलाकात 2017 में एक पार्टी के दौरान हुई थी। बाद में बारबरा ने डेलन को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया और बातचीत शुरू हो गई। 2018 में डेलन चीन शूटिंग के लिए गए थे। बारबरा उनसे मिलने चीन चली गईं। 2018 जून में दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी और रिश्ते को सार्वजनिक भी किया। जनवरी 2019 में दोनों एक साथ रहने लगे। जुलाई 2023 में बुडापेस्ट के एक चर्च में दोनों ने शादी कर ली। मई 2026 में उन्होंने अपनी पहली गर्भावस्था की खुशखबरी दी।

टॉलीवुड

70 की उम्र में जिम में पसीना बहाते दिखे चिरंजीवी, 158वीं फिल्म की तैयारी

मेगास्टार चिरंजीवी, निर्देशक बॉबी कोल्ली के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह उनकी 158वीं फिल्म होगी। इससे पहले सोशल मीडिया पर उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के साथ उन्होंने दमदार कैप्शन लिखा है। वीडियो को फैंस पसंद कर रहे हैं और उस पर बेहतरीन कमेंट्स कर रहे हैं।

चिरंजीवी ने अपने एक्स हैंडल पर 52 सेकंड का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि वह जिम में पसीना बहा रहे हैं। वह कई तरह के वर्कआउट कर रहे हैं। वह डम्बल उठा रहे हैं। बारबेल और जिम के दूसरे सामान जैसे फ्री वेट के साथ कसरत कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि एक्टर बॉबी कोल्ली के साथ अपनी आने वाली फिल्म में अपने रोल के लिए तैयारी कर रहे हैं।

वीडियो शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा 'हर दिन अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का एक और मौका होता है। मेगा 158 के लिए अपने प्यारे बॉबी कोल्ली के साथ एक और यादगार सफर के लिए पूरी तरह से तैयार और उत्साहित हूं। ओपनिंग सेरेमनी 21 मई को है।'

चिरंजीवी ने अपने 70वें जन्मदिन पर डायरेक्टर बॉबी कोल्ली के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान किया था। इसका अभी के लिए नाम 'मेगा158' रखा गया है। इससे पहले, दोनों ने सुपरहिट फिल्म 'वाल्टेयर वीरैया' में साथ काम किया था। यह 2023 में रिलीज हुई थी। इसमें रवि तेजा, श्रुति हासन, कैथरीन ट्रेसा, बॉबी सिम्हा और प्रकाश राज भी थे।

चिरंजीवी की तरफ से शेयर किए गए वीडियो पर कई फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है 'यकीन नहीं हो रहा है कि आप 70 के हैं।'

भोजपुरी

ओटीटी पर छाएंगे निरहुआ, दुपहिया सीजन-2 में भोजपुरी सुपरस्टार की एंट्री

भोजपुरी फिल्म के सुपरस्टार एक्टर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ अब ओटीटी डेब्यू के लिए बिल्कुल तैयार हैं। उन्हें दुपहिया सीजन-2 में देखा जाएगा, इसकी जानकारी उन्होंने खुद पोस्ट शेयर करके दी है। दिनेश लाल यादव नए प्लेटफॉर्म को एक्सप्लोर करने के लिए बेहद एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। दुपहिया-2 में उनका किरदार भी काफी मजेदार होने वाला है। हाल ही में निरहुआ प्राइम वीडियो के द्वारा आयोजित किए गए एक इवेंट में पहुंचे थे। इसी इवेंट के दौरान दुपहिया-2 के स्टारकास्ट को रिवील किया गया। वैसे तो दुपहिया-2 एक बार फिर से दिल छू लेने वाले किरदारों के साथ वापसी कर रही है। लेकिन, इस बार सीरीज में कुछ नए किरदार भी दिखाई देने वाले हैं। उन्हीं में से एक निरहुआ भी होंगे।

निरहुआ ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो एक पंच लाइन बोलते हुए नजर आ रहे हैं, 'जो चीज करना आसान होता है, वो करने के लिए सही नहीं होता है और जो करना सही होता है, वो आसान नहीं होता है। यहां ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे कहा जा सके कि वो राइट डिसीजन है। अपना डिसीजन लो और उसे राइट बना दो।'

निरहुआ का भोजपुरिया स्वैग देख उनके फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं एक्टर के फैंस उनकी वेब सीरीज दुपहिया-2 को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

सुकून का रंग

भीषण गर्मी के इस मौसम में अगर 'आइस ब्लू' के सुकून का रंग कहें तो गलत नहीं होगा। पिछले हफ्ते न्यूयार्क फैशन वीक के रनवे और रेड कार्पेट पर 'आइस ब्लू' के इस खास शेड के प्रति बढ़ते रुझान को देखते हुए एक पॉजिटिव बदलाव माना जा रहा है। शायद यह हमारी संस्कृति की मौजूदा स्थिति का एक संकेत है। यह 'पोलर शेड' (बर्फीला रंग) आपको अपने अंदर की 'ठंडक' को जगाने प्रेरित कर सकता है। यह राहत देने वाला रंग भी है।

फ्लावर डिजाइन की पायल आपके पैरों को बना देगी खूबसूरत, जरूर करें ट्राई

फैशन की दुनिया में अधिकतर महिलाएं अपने आप को खूबसूरत बनाने के लिए कई प्रयास करती है। यही नहीं कुछ महिलाएं तो आउटफिट से लेकर एक्सेसरीज तक हर एक चीज परफेक्ट तरीके से मैच कर पहनना पसंद करती है। ऐसे में अगर आप भी अपने घर पर होने वाले किसी भी फंक्शन में अपने आप को स्टाइलिश और यूनिक लुक देना चाहती हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप अपने आउटफिट के साथ इन खूबसूरत फ्लावर डिजाइन पायल को ट्राई कर सकती हैं। इन्हें पहनकर आप बला की खूबसूरत लगेंगी।

खूबसूरत फ्लावर पायल डिजाइन: डेली वियर के लिए अगर आप भी नई डिजाइन की पायल तलाश रही हैं, तो अब आप इन 4 खूबसूरत डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

मैरून स्टोन फ्लावर पायल डिजाइन: अगर आपके घर पर कोई खास फंक्शन है और आप उसे फंक्शन में अपने लुक से सभी को खुश करना चाहती हैं, तो अब आप अपने किसी भी ट्रेडीशनल आउटफिट के साथ इस खूबसूरत मैरून स्टोन फ्लावर पायल को ट्राई कर सकती हैं। इसे पहनकर आप किसी हसीना से कम नहीं लगेगी। इस तरह के पायल को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

कलरफुल फ्लावर एंकलेट डिजाइन: अगर आप डेली वियर के हिसाब से पायल देख रही है, तो आपके लिए यह खूबसूरत और लेटेस्ट कलरफुल फ्लावर डिजाइन वाली पायल भी बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। इसे आप रोजाना डेली वियर में पहनकर अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। आप इस पायल को बनवा सकती हैं या ऑनलाइन खरीद सकती है।

पैटर्न फ्लावर पायल डिजाइन: अपने पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए और भीड़ से हटकर लुक क्रिएट करने के लिए आप इस तरह की खूबसूरत पैटर्न फ्लावर डिजाइन पायल को भी चुन सकती है। यह पायल डिजाइन न सिर्फ आपकी पैरों की खूबसूरती को बढ़ा देगी, बल्कि इसे पहनकर आप गॉर्जियस लुक भी क्रिएट कर सकती है। इसे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरफ से खरीद सकती हैं। यही नहीं अगर आप अपने पैरों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं और ट्रेडीशनल आउटफिट के हिसाब से पायल डिजाइन तलाश रही है, तो आपके लिए यह लेटेस्ट सिल्वर बीड्स कलरफुल फ्लावर पायल भी बेस्ट ऑप्शन हो सकती है।

कुर्ती की नेकलाइन को स्टाइलिश लुक देंगे पाइपिंग डिजाइन, आप भी करें ट्राई

अधिकतर लड़कियों को गर्मी के मौसम में कुर्तियां पहनें ज्यादा पसंद होता है। यह आपके लुक को फॉर्मल और कैजुअल दोनों लुक देती हैं। वहीं आप कुर्ती को कैरी करने के बाद घंटों आराम से पहनकर काम या कहीं घूम सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह की स्टाइलिश कुर्तियां मिल रही हैं। जिसमें शार्ट, लांग फ्रॉक स्टाइल, पेप्लम स्टाइल आदि। ऐसे में आप इन्हें अपनी चॉइस और बॉडी शेप के हिसाब से पहन सकती हैं। यह आपके लुक को क्लासी टच देती हैं।

वैसे तो आजकल आपको मार्केट में रेडीमेड सूट और कुर्तियां बेहद किफायती दाम में मिल जाते हैं, लेकिन कुछ लोग आज भी टेलर के पास जाकर कुर्तियां बनवाना ज्यादा पसंद करते हैं। ताकि उनको वो अपने अकॉर्डिंग बनवा सकें और अपनी चॉइस के हिसाब से नेकलाइन और बाजू बनवा लें। अगर आप एक साधारण सी कुर्ती को स्टाइलिश तरीके से बनवा लेते हैं तो उसका लुक और भी ज्यादा निखर कर आ जाता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ पाइपिंग डिजाइन दिखाने जा रहे हैं। जिनको आप कुर्ती की नेकलाइन पर बनवा सकती हैं। यह आपकी सिंपल कुर्ती को मॉडर्न टच देंगे। देखिए कुछ ट्रेंडी डिजाइन।

डबल राउंड शेप पाइपिंग डिजाइन

आप अपने किसी भी कॉटन कुर्ती की नेकलाइन पर इस तरह की राउंड शेप डबल पाइपिंग डिजाइन लगवा सकती हैं। इस तरह के डिजाइन अधिकतर ऐसी कुर्तियों पर जंचते हैं। जिनके यॉक पर वर्क होता है। ऐसे में पूरी कुर्ती का लुक काफी अट्रैक्टिव लगता हो। पाइपिंग से कुर्ती का लुक काफी खूबसूरत लगने लगता है।

ओपन पोर्स से हैं परेशान, तो एक्सपर्ट से जानें कैसे रखें स्किन को बेदाग और साफ

चेहरे की खूबसूरत को लंबे समय तक बनाएं रखने के लिए आप कुछ खास तरीके को ट्राई करें। इससे आपको ज्यादा महंगी चीजों को इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा। बदलते मौसम की वजह से चेहरा खराब नजर आता है। ऐसे में हम हफ्ते या 15 दिन में एक बाद पार्लर से जाकर ट्रीटमेंट लेना पसंद करते हैं। लेकिन इसकी वजह हमारे पैसे बहुत ज्यादा खर्च हो जाते हैं। इन पैसों को बचाने और अपने ओपन पोर्स की प्रॉब्लम को कम करने के लिए आप डॉक्टर स्वाति के बताए गए तरीके को ट्राई करें। इससे आपकी स्किन साफ और बेदाग नजर आएगी। इससे चेहरे पर होने वाली प्रॉब्लम भी कम होती नजर आएगी। अगर आपकी त्वचा पर ज्यादा ओपन पोर्स नजर आ रहे हैं, तो इन्हें कम करने के लिए सबसे पहले आपको अपने मॉइश्चराइजर को चेंज करने की जरूरत है। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादा हैवी मॉइश्चराइजर लगाने से आपकी स्किन के पोर्स लॉक नहीं होंगे। बल्कि और ज्यादा गंदगी भर जाएगी। ऐसे में आप लाइट वेट वाले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इसमें चिपचिपापन कम होता है। साथ ही, बाहर की गंदगी चेहरे पर कम चिपकती नजर आती है।

क्लींजर का करें इस्तेमाल

आप अपने चेहरे को साफ करने के लिए सही क्लींजर का इस्तेमाल करें। इससे चेहरे की गंदगी और तेल आसानी से साफ हो जाएगा। इसके लिए आपको ऑयल-फ्री क्लींजर का इस्तेमाल करें। इससे ओपन पोर्स को लॉक करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आपको किसी तरह के कोई ट्रीटमेंट को करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह के क्लींजर आपको मार्केट में स्किन टाइप के हिसाब से मिल सकता है।

घनी आइब्रो करने के लिए अपनाएं टिप्स

अपने चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए महिलाएं कई प्रयास करती हैं। लेकिन चेहरे पर होने वाली कुछ छोटी-छोटी कमियां आपकी खूबसूरती को कम कर सकती है, जिससे अधिकतर महिलाएं परेशान रहती है। अगर आप ही उन्हीं महिलाओं में से एक हैं, तो आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में जरूर जानना चाहिए, जिन्हें फॉलो कर आप अपनी आईब्रो को घना कर सकती हैं।

ब्यूटी एक्सपर्ट की माने राय

ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी के मुताबिक खूबसूरत आइब्रो हमारी खूबसूरती का अहम हिस्सा होती हैं, लेकिन आइब्रो के कम बाल हमारे चेहरे के लुक को खराब कर सकते हैं। ऐसे में आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए और चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो कर सकती हैं।

आइब्रो के लिए उपाय

एक्सपर्ट ने आगे बताया कि लंबी और घनी आइब्रो पाने के लिए आप सबसे पहले एक छोटी कटोरी में अरंडी का तेल निकाल ले, उसमें बराबर मात्रा में जैतून का तेल मिला दे। अब इस तेल को लेकर अपनी आईब्रो पर हल्के हाथों से मसाज करें। इसके बाद आप गर्म पानी से कॉटन स्टीम भी ले सकती हैं। ऐसा आप रोजाना रात में सोने से पहले कर सकती हैं। इससे आपको काफी हद तक आराम देखने को मिलेगा।

इन बातों का रखें ध्यान

आपको ज्यादा जोर से आइब्रो की मसाज नहीं करनी है। ऐसा करने से आपकी आइब्रो से बाल टूट सकते हैं। अगर आप पहली बार तेल की मसाज आइब्रो पर कर रही हैं, तो सबसे पहले आप पैच टेस्ट जरूर करें। क्योंकि कुछ महिलाओं को इन तेल की वजह से इंफेक्शन या एलर्जी हो सकती है। किसी भी चीज का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लड़कियों की स्किन पर इससे रिएक्शन हो सकता हैं।

कार्नर न्यूज

लंबे बाल के साथ बन भी बनाने वाले नौजवान ध्यान दें

'मैन बन' है आपका स्टाइल तो कुछ जरूरी टिप्स जो आपको बनाएंगे और भी स्टाइलिश

'पुरुषों को बाल छोटे रखने चाहिए' अक्सर यही सुनने को मिलता है और लंबे बाल वाले पुरुषों को इसके चलते दिक्कत भी खूब होती है। लेकिन इसके बाद भी बड़े बाल रखने वाले कई पुरुष हैं। ये वो पुरुष हैं जो लंबे बाल तो रखते ही हैं बन भी बनाते हैं। लेकिन बन सारे पुरुषों पर अच्छा ही लगे ये जरूरी तो नहीं। मगर कुछ खास टिप्स के साथ बन पुरुषों पर अच्छा लगता ही है। ये टिप्स मैन बन को आपके लुक में ऐसा शामिल कराएंगे कि आप इन्हें आसानी से स्टाइल करेंगे और लोगों की तारीफ़ भी सुनेंगे। 'मैन बन' यानी पुरुषों के लंबे बालों पर सजा बन। अगर ये स्टाइल रखने से आप अभी तक पीछे हट रहे थे तो अब आप इन स्टाइल को खास टिप्स के साथ आजमा सकते हैं-

कैसे-कैसे 'मैन बन'

बालों का जूड़ा स्टाइल ही 'मैन बन' है लेकिन ये भी कई तरीके के होते हैं जैसे जब बन सिर पर बहुत ऊंचाई पर बनाया गया होता है तो उसे टॉपनॉट कहते हैं। लेकिन जब बन बेहद ढीला बंधा होता है तो उसे फुल बन कहते हैं। जब पुरुष मैन बन बनाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें सिर्फ योंहीं बाल पकड़ कर बन

बनाने की जरूरत नहीं है बल्कि वे कई तरह के स्टाइल बना सकते हैं।

हाफ अप

जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है। इसमें सिर्फ आधे बालों से ही बन बनाया जाता है। ये उन पुरुषों के लिए सही है जिनके बाल सच में लंबे हैं। मतलब बाल पुरुषों के कंधों से भी नीचे हैं तब ही हाफ अप बन अच्छा लगता है।

लो बन

ये बन सिर में पीछे की ओर बनाया जाता है। इसमें बन सिर के क्राउन पर नहीं बनता है। नाम के मुताबिक इसे बिलकुल सिर के पीछे नीचे की ओर बनया जाता है।

फेड के साथ मैन बन

ये एक ऐसा बन है जिसके लिए आपको अक्सर सैलून जाना होगा। इसमें सिर में ऊपर के बाल का बन बनाया जाता है। सिर्फ में नीचे के सारे बाल चोट कर दिए जाते हैं। ये बड़े बालों से बिलकुल अलग हो जाते हैं।

बन एंड बियर्ड

याद रखिए ये वो स्टाइल है जिसमें हर तरह के बाल चल जाते हैं, जैसे स्ट्रेट या कर्ली। इस लुक में सिर पर बन होता है तो बियर्ड भी ठीक से बढ़ाई गई होती है।

किस पर सूट करेगा 'मैन बन'

जैसे सभी हेयर स्टाइल चेहरे के आकार के हिसाब से सूट करते हैं, ठीक वैसे ही 'मैन बन' भी हर चेहरे पर सूट नहीं करता है। जैसे टॉप नॉट उन पुरुषों पर अच्छा लगता है जिनका बोन स्ट्रक्चर बहुत डिफाइन नहीं होता है। क्योंकि इसके साथ चेहरा लंबा नजर आ सकता है। इसके साथ चेहरा पतला भी नजर आता है। टॉपनॉट को अगर दाढ़ी के साथ मैच किया जाए तो ये काफी मेस्क्युलिन स्टाइल बन जाता है।